द रेड स्टार न्यूज
को अनुभवी संवाददाता
एवं प्रतिनीधि की
आवश्यकता है,
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

द रेड
स्टार न्यूज़
महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...
आपका अधिकार खबरों के रूप में
RNI. NO. MAHHIN/2010/35947 website : www.theredstarnews.com P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह वर्ष- 14 अंक- 25 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त 17 मई से 23 मई 2023 पेज-8 ₹ 2/-

कर्नाटक हार से बौखलाई भाजपा

दिल्ली, कर्नाटक में हुई करारी हार से बौखलाई भाजपा ने अपने सभी सांसदों का रिपोर्ट कार्ड मांगा है। सभी प्रदेश अध्यक्षों को एक महीने के भीतर सभी सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में हुए कार्यों की समीक्षा कर एक रिपोर्ट पार्टी की केंद्रीय इकाई को देनी है। सांसदों का रिपोर्ट कार्ड उनके लोकसभा क्षेत्रों में केंद्र सरकार के द्वारा किए गए कल्याणकारी कार्यों की स्थिति, सांसदों की जनता के बीच लोकप्रियता, क्षेत्र में बिताए गए समय और सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता के आधार पर बनाया जाएगा। 2024 में टिकट बंटवारे के लिए यह बड़ा आधार बन सकता है। इसके पूर्व भी एक बार सांसदों और मंत्रियों से अपने-अपने क्षेत्रों में हुए कार्यों की जानकारी मांगी गई थी। 30 मई से 30 जून के बीच एक महीने तक चलने वाले विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत देश के 396 लोकसभा क्षेत्रों में जनता से संवाद किया जाएगा। इसी दौरान प्रदेश की टीमों के द्वारा सांसदों के क्षेत्रों में हुए कार्यों की जानकारी एकत्र की जाएगी। जिन लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी की स्थिति कमजोर है, उन पर विशेष तौर पर फोकस कर अगले एक वर्ष के अंदर जनसंपर्क किया जाएगा। पार्टी ने 70 ऐसे लोकसभा क्षेत्रों की पहचान की है, जहां पार्टी ने कम अंतर से जीत हासिल की थी। ऐसे सभी लोकसभा क्षेत्रों में विशेष तौर पर कार्य किया जाएगा और जनता से संपर्क स्थापित किया जाएगा। कर्नाटक चुनाव परिणाम से भाजपा को अगले विधानसभाओं की चिंता बढ़ गई है। भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पार्टी इस बात का गहराई से आकलन कर रही है कि कर्नाटक में हुई हार का आगामी लोकसभा चुनाव पर क्या असर पड़ सकता है। इस बात का भी आकलन किया जा रहा है।

हार के बाद मंथन शुरू

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दिया संकेत

दिल्ली, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को संकेत दिया कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नलिन कुमार कतील को बदला जा सकता है। वह पहले ही तीन साल का अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। दक्षिण कन्नड़ से तीन बार लोकसभा सदस्य रहे कतील को अगस्त 2019 में तीन साल के कार्यकाल के लिए राज्य इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया था। आसन्न चुनावों के मद्देनजर उन्हें पिछले साल सेवा विस्तार दिया गया था। गत 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से बेदखल कर दिया था। राज्य की 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 135 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा को 66 और जनता दल (सेक्युलर) को 19 सीटें मिलीं।

धारवाड़ से लोकसभा सदस्य और केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री जोशी ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में भाजपा विधायक दल से चर्चा के बाद यह फैसला किया जाएगा कि विधानसभा में विपक्ष का नेता कौन होगा। उन्होंने कहा, ''मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि उनका (कतील का) तीन साल का कार्यकाल समाप्त हो गया है। (विधानसभा) चुनाव के मद्देनजर हमारे राष्ट्रीय नेताओं ने उन्हें जिम्मेदारी दी थी। हमारे नेता आगे का फैसला करेंगे। जोशी ने लोगों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए कांग्रेस से जल्द से जल्द सरकार बनाने की भी अपील की। विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद भाजपा के अगले कदम के बारे में पूछे जाने पर जोशी ने कहा कि पार्टी आत्ममंथन करेगी। उन्होंने कहा, ''हम पहले ही कह चुके हैं कि यह भाजपा के लिए सबसे निराशाजनक परिणाम है। चुनाव में इस तरह के घटनाक्रम होते रहते हैं। हमें कारण का पता लगाना होगा। जोशी ने कहा कि न तो उन्होंने और न ही पार्टी ने विधानसभा चुनाव में मिली हार को हल्के में लिया है। उन्होंने कहा कि इसके बजाय, परिणाम को एक चुनौती के रूप में लिया गया है। उन्होंने कहा, हम लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस रहे हैं और हम जीतेंगे। गत 13 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद कतील ने कहा था कि राज्य इकाई के प्रमुख के रूप में वह चुनाव में पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हैं।

कर्नाटक का मुख्यमंत्री कौन?

खरगे की कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक

नई दिल्लीः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता चुनने के लिए मंगलवार को राहुल गांधी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ मंत्रणा कर रहे हैं। खरगे के आवास पर जारी बैठक में उनके और राहुल गांधी के अलावा पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और कुछ अन्य नेता मौजूद हैं। उधर, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार दिल्ली पहुंच गए हैं और वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात कर सकते हैं। शिवकुमार सोमवार को ही दिल्ली आने वाले थे, लेकिन पेट में संक्रमण का हवाला देते हुए उन्होंने अपनी प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी थी। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया सोमवार से ही दिल्ली में मौजूद हैं। ये दोनों नेता मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पार्टी के तीनों पर्यवेक्षकों के साथ सोमवार को गहन मंत्रणा की थी, लेकिन कोई फैसला नहीं हो सका था। खरगे ने कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल का नेता चुनने के लिए वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे, जितेंद्र सिंह और दीपक बाबरिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। तीनों पर्यवेक्षकों ने पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों से अलग-अलग बात कर उनकी राय जानी थी और फिर उन्होंने खरगे को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। कांग्रेस विधायक दल की रविवार शाम बेंगलुरु के एक निजी होटल में हुई बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पार्टी अध्यक्ष को विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार दिया गया, जो कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनेगा। राज्य में 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल करते हुए 135 सीट अपने नाम कीं, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा नीत जनता दल (सेक्युलर) ने क्रमशः 66 और 19 सीट जीतीं।

डॉक्टरों को मिलेगा डिजिटल कोड

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की एक नीति समिति ने सभी मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालयों को डॉक्टरों के लिए एक यूआईडी नंबर देने का आदेश दिया है, देश में जल्द ही डॉक्टरों को डिजिटल कोड दिया जाएगा। इसके जरिये न सिर्फ डॉक्टरों की पहचान, उपस्थिति सहित अन्य कार्यों में पहचान आसान होगी बल्कि कोड से निगरानी भी की जाएगी। इतना ही नहीं, देश में ऑनलाइन चिकित्सा के दौरान भी डॉक्टर का वह डिजिटलकोड जरूरी होगा। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की एक नीति समिति ने सभी मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालयों को डॉक्टरों के लिए एक यूआईडी नंबर देने का आदेश दिया है। जो डॉक्टर अलग-अलग राज्य मेडिकल काउंसिल से लाइसेंस प्राप्त हैं, उन्हें यह कोड मिलेगा जो एनएमआर में पंजीकरण और भारत में चिकित्सा का अभ्यास करने की पात्रता प्रदान करेगा। देश के सभी लाइसेंसधारी डॉक्टरों के लिए एक सामान्य राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर होगा। इसे एनएमसी के तहत नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड (ईएमआरबी) द्वारा बनाए रखा जाएगा। इस रजिस्टर में विभिन्न राज्य चिकित्सा परिषदों द्वारा बनाए गए सभी राज्य रजिस्टरों के पंजीकृत चिकित्सकों की सभी प्रविष्टियां होंगी और उनकी डिग्री, विश्वविद्यालय, विशेषज्ञता से संबंधित डेटा के साथ अन्य महत्वपूर्ण जानकारी होगी। जानकारी यह भी है कि डॉक्टर को हर पांच साल बाद लाइसेंस रिन्यू करना होगा।

भारत के पैंतरे से पस्त हुआ चीन

आयात में 23 फीसद की गिरावट

नई दिल्ली, भारत में होने वाले आयात को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन से इलेक्ट्रॉनिक सामान के आयात में गिरावट आई है। 2022-23 में चीन से लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर , इंटीग्रेटेड सर्किट और सोलर सेल जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान के आयात में कमी आई है। जीटीआरआई की रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में आयात में गिरावट पीएलआई की वजह से आई है। केंद्र सरकार ने इस योजना को मार्च 2020 में लॉन्च किया था। सरकार ने इस योजना की शुरुआत घरेलू उत्पादन को बढ़ाने और आयात बिल को कम करने के लिए किया था, जिसका इस रिपोर्ट में साफ असर दिख रहा है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार कंपनियों को भारत में बने प्रोडक्ट की बिक्री के आधार पर इंसेंटिव देती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021-22 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में लैपटॉप और पीसी का आयात 23.1 प्रतिशत घटकर 4.1 अरब डॉलर और मोबाइल फोन का आयात 4.1 प्रतिशत घटकर 85.7 करोड़ डॉलर रह गया। इसके अलावा इंटीग्रेटेड सर्किट का इनबाउंड शिपमेंट 4.5 प्रतिशत घटकर 4.7 अरब डॉलर रह गया। 2022-23 में यूरिया और अन्य उर्वरकों का आयात 26

प्रतिशत घटकर 2.3 अरब डॉलर रह गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2021-22 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में चिकित्सा उपकरणों का आयात 13.6 प्रतिशत घटकर 2.2 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया। इसके अलावा सोलर सेल, पुर्जे, डायोड का आयात 2022-23 में 70.9 प्रतिशत घटकर 1.9 अरब डॉलर रह गया। जीटीआरआई के अनुसार, भारत ने लिथियम आयन बैटरी के आयात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की है। रिपोर्ट के मानें तो भारत ने लिथियम-आयन बैटरी का आयात पिछले वित्त वर्ष में लगभग 96 प्रतिशत बढ़कर 2.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। भारत में तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड के चलते ये वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा चीन से मशीनरी, रसायन, स्टील, पीवीसी राल और प्लास्टिक के आयात में वृद्धि शामिल है।

पाक सेना कर सकती है इमरान पर सबसे खतरनाक कानून के तहत कार्रवाई

नई दिल्ली, पाकिस्तान में पिछले कई दिनों से गृहयुद्ध जैसे हालात बने हुए है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भ्रष्टाचार के मामले में 9 मई को गिरफ्तार किया गया था। तबसे उनके पार्टी के नेता सड़कों पर हैं और इमरान खान के गिरफ्तारी को 'अवैध' और 'गैरकानूनी' बताते हुए हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हिंसा कई दिनों से चल रही है। अब पाक सेना PTI चीफ और इऊघ समर्थकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के मूड में है। सूत्रों के मुताबिक पाक सेना इमरान खान को घेरने के लिए आर्मी एक्ट और आफिशियल सीक्रेट्स एक्ट का इस्तेमाल कर सकती है। इन प्रावधानों में सजा-ए-मौत और आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। सेना ने अब इमरान खान सहित किसी को भी नहीं बख्शने का फैसला किया है, जिसे वह सैन्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ जघन्य अपराध करार देती है। इसमें कहा गया है कि अपराधियों को पाकिस्तानी सेना अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम' सहित पाकिस्तान के प्रासंगिक कानूनों के तहत मुकदमों के माध्यम से न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। आर्मी एक्ट और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट को शामिल करने का सेना का फैसला एक गंभीर प्रावधान है जिसमें इमरान खान, उनकी पार्टी के नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर ऐसे आरोप लगाए जा सकते हैं, जिसकी सजा मौत की सजा या आजीवन कारावास हो सकती है। पाकिस्तानी सेना अधिनियम आमतौर पर सेवारत अधिकारियों पर लागू होता है, जिन पर संस्था की आंतरिक जांच, परीक्षण और दंड प्रणाली के माध्यम से मुकदमा चलाया जाता है।

कर्नाटक में भाजपा की हार में अपनी 'जीत' ढूंढ रहा विपक्ष

नई दिल्ली, अगले साल यानी 2024 की चुनावी रणभूमि में उतरने के लिए विपक्षी दल एकजुट होकर बीजेपी से दो-दो हाथ करने की तैयारी में हैं। विपक्षी दलों को भी अंदाजा है कि एकजुट होकर ही बीजेपी को टक्कर दी जा सकती है। कुछ दल जहां पहले कांग्रेस को खास तवज्जो दिए बिना बीजेपी विरोधी दलों को एकजुट करने में लगे थे, लेकिन अब कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद तस्वीर कुछ बदली सी नजर आ रही है। हिमाचल प्रदेश के बाद कर्नाटक का चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस में तो नया जोश आ ही गया है, साथ ही देश की सबसे पुरानी पार्टी अब विपक्षी एकता के केंद्र में आ गई है। कर्नाटक चुनाव के नतीजे के बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बयान से कयास लगाए जा रहे हैं कि 2024 में मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस होगा। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पिछले कई दिनों से कांग्रेस से दूरी बनाकर चल रही थी, लेकिन अब उनके तेवर कुछ बदले हुए दिख रहे हैं। ममता ने चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि वे कुछ राज्यों में कांग्रेस का समर्थन करेंगी। साथ ही उन्होंने विपक्षी एकता की वकालत भी की। ममता ने इसी सोमवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, अगर कांग्रेस लोकसभा की 200 सीटों पर लड़ती है, तो हम समर्थन को तैयार हैं।

अमेरिका जाएंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली, कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 31 मई को 10 दिनों के लिए अमेरिका जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि 4 जून को राहुल गांधी न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में लगभग 5,000 प्रवासी भारतीयों के साथ रैली करेंगे। इसके अलावा राहुल गांधी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पैनल चर्चा और भाषण के लिए वाशिंगटन और कैलिफोर्निया जाएंगे। इस दौरान वह राजनेताओं और उद्यमियों से भी मिलेंगे। इससे पहले राहुल गांधी कैंब्रिज विश्वविद्यालय में अपने भाषण में सरकार की आलोचना करने और भारतीय लोकतंत्र पर दिए गए बयानों को लेकर चर्चाओं में आ गए थे। राहुल गांधी ने यूके में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में कहा, हर कोई जानता है और यह काफी खबरों में है कि भारतीय लोकतंत्र दबाव में है और हमले में है।

बख्शे नहीं जाएंगे मणिपुर हिंसा के दोषी-अमित शाह

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को स्पष्ट निर्देश दिया है कि राज्य में हिंसा के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाए। मणिपुर हिंसा में 73 लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि केंद्र ने राज्य सरकार से सभी जातीय समुदायों के साथ मेगा आउटरीच कार्यक्रम शुरू करने के लिए भी कहा है। सीएम बीरेन सिंह कल दिल्ली में थे और उन्होंने केंद्रीय मंत्री को मणिपुर की स्थिति से अवगत कराया, जहां 10 दिन पहले हिंसा भड़की थी। गृह मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके प्रशासन को दोनों जातीय समुदायों के लोगों को जोड़ने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया है। शाह ने जोर देकर कहा है कि हिंसा के अपराधियों से सख्ती से निपटने की जरूरत है, भले ही वे राजनीतिक संबद्धता रखते हों। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने हिंसा के अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के पूर्ण समर्थन और मदद का आश्वासन दिया। शाह ने राज्य में शांति बहाल करने के लिए किए

जा रहे उपायों की समीक्षा के लिए मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों के साथ कई बैठकें कीं। एक अन्य अधिकारी ने सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि यह विभिन्न कानून और व्यवस्था के मुद्दों और एएफएसपीए पर भी पूरी समीक्षा थी। मणिपुर में 3 मई को आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान मेइती की अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग के विरोध में हिंसक झड़पें हुईं। आरक्षित वन भूमि से कूकी ग्रामीणों को बेदखल करने पर तनाव से पहले झड़पें हुईं, जिसके कारण कई छोटे-छोटे आंदोलन हुए।

25,000 करोड़ रुपये का है केरल तट के पास से पकड़ा गया मादक पदार्थ

कोच्चि, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने सोमवार को बताया कि केरल तट के पास भारतीय जलक्षेत्र में एक जहाज से पकड़ा गया मादक पदार्थ 25,000 करोड़ रुपये का है। एनसीबी ने नौसेना के साथ संयुक्त अभियान में शनिवार को 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ मेथामफेटामाइन जब्त किया था। मामले में एक पाकिस्तानी हिरासत में है। मेथामफेटामाइन के नवीनतम मूल्यांकन के बाद इसका का वास्तविक मूल्य 25,000 करोड़ रुपये के करीब था। जब्त मेथामफेटामाइन की उच्च शुद्धता के कारण मूल्य बढ़ गया। शुरुआत में इसकी कीमत 12,000 करोड़ रुपये आंकी गई थी। एनसीबी ने कहा था कि यह देश में मेथामफेटामाइन की सबसे बड़ी जब्ती थी। अधिकारियों ने कहा कि इसे इस तरीके से पैक किया गया था कि लंबे समय तक जहाज पर रहने पर भी नमी से कोई असर नहीं पड़ेगा। प्लास्टिक के बक्सों के ऊपर विभिन्न संकेत या प्रतीक हैं। संदेह है कि इसमें कई ड्रग निर्माण प्रयोगशालाएं शामिल थीं। एनसीबी के उप महानिदेशक (आपरेशन) संजय कुमार सिंह ने शनिवार को कहा था कि इस अभियान को 'आपरेशन समुद्रगुप्त' के रूप में अंजाम दिया गया था। इसके तहत अफगानिस्तान से आने वाले मादक पदार्थों की समुद्री तस्करी पर लगाम कसा जाता है। मेथामफेटामाइन की खेप भारत, श्रीलंका और मालदीव भेजी जानी थी। वहीं असम पुलिस ने कछार जिले में चार करोड़ रुपये का ड्रग जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कछार जिले के पुलिस अधीक्षक नुमाल माहात्ता ने सोमवार को कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर हमने रविवार को अभियान चलाया और 40 हजार याबा ड्रग बरामद किए। याबा गोली नशे के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

संपादकीय

बेघर किये गये राहुल गांधी ने कर्नाटक की सत्ता छीन कर भाजपा को बड़ा सबक सिखाया

कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम 2023 की समीक्षा की गयी साथ ही दिल्ली और महाराष्ट्र के मामलों पर आये सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा भी की गयी। इस दौरान कर्नाटक विधानसभा चुनावों के परिणामों से कांग्रेस में नये उत्साह का संचार होना स्वाभाविक है क्योंकि हिमाचल प्रदेश के बाद उसे लगातार दूसरी जीत मिली है। कर्नाटक जैसे बड़े राज्य में सत्ता मिलना कांग्रेस को दक्षिण में तो मजबूती देगा ही साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की दृष्टि से भी यह राज्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। चुनाव परिणाम से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की जोड़ी को भी बड़ी सफलता मिली है साथ ही कांग्रेस को यह भी समझ आ गया है कि जब पार्टी की केंद्रीय और राज्य इकाई पूरी एकजुटता के साथ कोई काम करती हैं तो उसके परिणाम सफलता ही लाते हैं। कांग्रेस की जीत पर पार्टी कर्नाटक में लगातार पिछले 2 साल से मेहनत कर रही थी। उसके पास लोकल लीडरशिप भी मौजूद था। कांग्रेस ने पार्टी में मौजूद मनमुटाव को भी अच्छे से संभाला और यही कारण है कि परिणाम उसके पक्ष में गए हैं। नीरज दुबे ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ईमानदार छवि के जरूर है लेकिन विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों पर कभी भी मजबूती से जवाब नहीं दे पाए जिसके कारण विपक्ष राज्य में मजबूत होता चला गया। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि बसवराज बोम्मई पार्टी और सरकार के बीच जिस तरह का समन्वय होना चाहिए उसको भी बेहतर ढंग से नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि जब युवा नेता प्रवीण नेत्तारू की हत्या हुई थी तो बहुत सारे भाजपा कार्यकर्ता सरकार से खफा हो गए थे। केंद्रीय नेतृत्व को इसमें दखल देना पड़ा लेकिन बसवराज बोम्मई ने खुद से बहुत ज्यादा प्रयास उस वक्त नहीं किया था। बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में तो रही लेकिन बाकी राज्यों की तरह वहां आक्रामकता देखने को नहीं मिली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के खिलाफ कांग्रेस जबरदस्त तरीके से हमलावर रही। कांग्रेस ने चुनाव में भी राज्य के मुद्दे को ही प्राथमिकता थी। दूसरी ओर हम भाजपा को देखें तो यहां ऐसा लग रहा था पार्टी की ओर से सिर्फ राष्ट्रीय मुद्दे को ही बताया जा रहा है। नीरज दुबे ने यह भी कहा कि कहीं ना कहीं राज्य के विधानसभा चुनाव लीडरशिप पर होती हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा नेताओं ने पूरा का पूरा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर छोड़ दिया।

योगी राज में मिट्टी में मिल गया है बड़े से बड़े माफियाओं का वजूद

जिंदा व मुर्दा लोगों में से बहुत सारे ऐसे चहरे हैं जिनकी दहशत के मारे कभी आम आदमी पुलिस प्रशासन व न्यायालय के सामने भी कुछ बोल तक नहीं पाता था और यह लोग यूपी के पुलिस-प्रशासन को अपनी जेबों में रखकर बेखौफ होकर घूमते थे।

कभी उत्तर प्रदेश देश का एक ऐसा राज्य बन गया था, जहां पर राजनेताओं व सरकारी सिस्टम के बेहद ताकतवर गठबंधन के द्वारा खुल्लम खुल्ला गुंडे, मवालियों, अपराधियों, माफियाओं व बाहुबलियों को बेखौफ होकर संरक्षण प्रदान किया जाता था। जिसके चलते कभी उत्तर प्रदेश को अपराधियों, माफियाओं और बाहुबलियों की देश में सबसे सुरक्षित पनाहगाह के रूप में पहचाना जाता था। लेकिन अब योगी राज में विचारणीय यह है कि उसी उत्तर प्रदेश में आखिरकार ऐसा क्या जादू हो गया कि उसी सरकारी सिस्टम के भय के मारे देश के बड़े से बड़े अपराधियों, माफियाओं और बाहुबलियों की सिट्टी-पिट्टी गुम होकर हवा खराब है। कभी बेखौफ होकर दूसरों की जान लेने वाले हत्यारों को आज यूपी में योगी सरकार आने के बाद से अपनी जान बचाने के लाले पड़ रहे हैं, अब यह गुंडे मवाली माफिया व बाहुबली भय के मारे देश के सर्वोच्च न्यायालय तक से अपनी जान बचाने की भीख मांगते फिर रहे हैं, जोकि नियम कायदे व कानून पसंद लोगों के लिए एक बहुत ही अच्छा संकेत है।

वैसे तो उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 में योगीराज की शुरुआत से ही यह स्पष्ट संकेत मिलने लगे थे कि अब यूपी में गुंडे, माफियाओं व बाहुबलियों की दाल आसानी से नहीं गलने वाली है, जिसके चलते ही उत्तर प्रदेश में अपराधियों को जेल पहुंचाने का अभियान बड़े पैमाने पर निरंतर चलाया जा रहा है। लेकिन अभी कुछ माह पहले फरवरी 2023 में जब उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उमेश पाल व उसके दो सरकारी गनरों की हत्या सरेआम गोलियों से छलनी करके कर दी गयी थी, तब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र के दौरान विधानसभा में अपराधियों व बाहुबलियों के खिलाफ अपने सार्वजनिक रूप से बेहद तीखे तेवर दिखाते हुए इन सभी को मिट्टी में मिलाने का उद्घोष किया, जो इन कुख्यात माफियाओं से त्रस्त रहने वाले आम जनमानस को बेहद ही अच्छा लगा था, हालांकि इस उद्घोष के बाद ही जिस तरह से देश व दुनिया ने बाहुबलियों को न्यायालय में जान की भीख मांगते देखा था, लेकिन योगीराज में हरकत करने वाले दुर्दांत अपराधियों पर पुलिस प्रशासन के तेजी से कसते शिकंजे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस उद्घोष पर मुहर लगाने का कार्य किया है। योगी राज में उत्तर प्रदेश में जिस तरह से माफियाओं बाहुबलियों और उनके सहयोगियों के विरुद्ध अभियान चलाकर उनका समूल नष्ट करके सफाया किया जा रहा है, उससे सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मिट्टी में मिला देंगे वाली बात एकदम सत्य साबित होती नज़र आ रही है और वह निरंतर मीडिया की सुर्खियों में हैं।

हालांकि अब पिछले कुछ माह से देश की मीडिया की सुर्खियों में मुख्तार अंसारी व अतीक अहमद के मामले छाये हुए हैं। जिसमें से पिछले चार दशकों से बेखौफ होकर के अपराध कर रहे अतीक अहमद की सल्तनत को अब जाकर योगी राज में मिट्टी में मिलाने का कार्य हुआ है, लेकिन अफसोस अतीक अहमद की हत्या हो जाने से उसको संरक्षण देने वाले लोगों की अभी भी पोल खुलनी बाकी रह गयी है। वैसे जब चार दशक में पहली बार बाहुबली अतीक अहमद को सजा सुनाई गई थी तो उस समय आम जनमानस के द्वारा यह उम्मीद की जा रही थी कि अब अतीक अहमद ताउम्र जेल की सलाखों के पीछे ही बंद रहेगा और इस निर्णय के बाद से उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश व दुनिया में योगी राज में अपराधियों के पूर्ण सफाये के लिए चलाए जा रहे इस अभियान को जमकर के बल मिलेगा। आज उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीतियों का सुखद परिणाम यह है कि एक बार फिर से आम जनमानस को उत्तर प्रदेश में नियम कायदे और कानून का राज पूरी तरह से वापस आने की उम्मीद जगने लगी है। साथ ही उत्तर प्रदेश के साथ आज देश का आम जनमानस भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपराधियों के सफाये के लिए चलाई जा रही सख्त कार्यवाही वाली नीतियों की जमकर तारीफ कर रहा है। वैसे मैंने जब से होश संभाला है तब से ही एक बात सुनते व देखते आ रहा हूं कि अगर पुलिस-प्रशासन चाहे तो माफियाओं व बाहुबलियों की उसके सामने कोई औकात नहीं है, वह पल भर में ही ऐसे लोगों के साम्राज्य को पूरी तरह से ध्वस्त करके, उनको बेघर करके जेल की सलाखों के पीछे भेजकर के पूरी तरह से नेस्तनाबूद करने की ताकत रखता है। लेकिन अफसोस की बात यह है कि सरकारी सिस्टम को चलाने वाले चंद ताकतवर लोगों के साथ इन ग़लत कार्य करने वाले लोगों का बेहद मजबूत गठबंधन होने के चलते, जेल की सलाखों के पीछे बंद रहने के लायक यह अपराधी लोग खुलेआम देश में सम्मानित नागरिकों के रूप में रहकर बेखौफ होकर के रंगदारी, अपहरण, हत्या जैसे गंभीर अपराध करने में व्यस्त रहते हैं। हालांकि अपराधियों के साथ सिस्टम में बैठे लोगों का इस तरह का नापाक गठबंधन हमारे सभ्य समाज के लिए बेहद घातक व चिंताजनक स्थिति है, इस तरह के जहरीले नापक गठबंधन का टूटना देश के आम जनमानस के जान-माल व सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद जरूरी है।

आज देश में अच्छी बात यह हो रही है कि कम से कम उत्तर प्रदेश में तो इस तरह के अपराधियों के नापाक गठबंधन को तोड़कर के उनको जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने व सख्त सजा दिलवाने की एक बहुत ही अच्छी शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवश्य कर रखी है, जिसके परिणाम स्वरूप ही लगभग 43 वर्षों के बाद बाहुबली अतीक अहमद को पहली बार सजा होने का कार्य हुआ था। वहीं मुख्तार अंसारी, उसका भाई व उसके अन्य सहयोगी जेल में बंद हैं, उनमें से कुछ को सजा हुई है और कुछ के मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं, मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी की संसद सदस्यता भी चली गयी है। वहीं हम सभी ने देखा था कि कानपुर के बिकरू गांव में 8 पुलिसकर्मियों की लाशें बिछाने वाले दुर्दांत अपराधी विकास दुबे के गैंग का योगी राज में किस तरह से सफाया किया गया था, अब फिर से वही स्थिति प्रयागराज के एडवोकेट उमेश पाल हत्याकांड में शामिल हत्यारों के साथ हो रही है। अपराधियों के द्वारा गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर चलायी जा रही हर गोली का उत्तर प्रदेश पुलिस अब जवाब दे रही है और अपराधियों को एनकाउंटर में मौत के आगोश में पहुंचाकर के जनता को बेखौफ करने का कार्य कर रही है। योगी आदित्यनाथ के राज में अपराधी व उनके सहयोगियों को चुन-चुन कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया जा रहा है और जो पुलिस पर गोली चलाने का दुस्साहस कर रहा है उसको गोली का जवाब दिया जाता है।

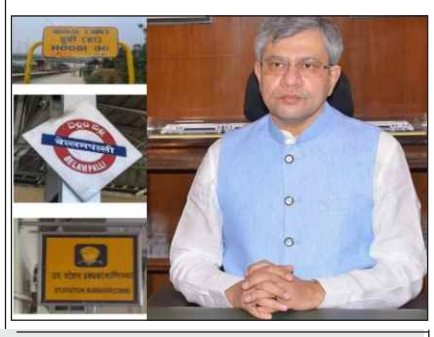

देश भर के रेलवे स्टेशनों पर एक जैसे होंगे बोर्ड

नई दिल्ली। यात्रियों की आसानी के लिए देश भर के सभी रेलवे स्टेशनों पर एक जैसे साइन बोर्ड होंगे। उनके रंग एवं फांट में भी समानता होगी, ताकि लोग भ्रमित नहीं हो पाएं। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को परियोजना के ब्योरे से संबंधित पुस्तिका का विमोचन किया। रेलवे के सभी 17 जोनों एवं 68 मंडलों में अभी सात हजार तीन सौ स्टेशन हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के संकेतक लगे हैं। नई व्यवस्था में अब सभी स्टेशनों के नामों एवं संकेतकों का प्रदर्शन एक ही तरह का होगा। रेलवे स्टेशनों पर रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा बढ़ाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। जरूरत महसूस हुई कि सभी स्टेशनों पर संकेतकों का मानक तय किया जाए, ताकि यात्रियों को परेशानी नहीं हो। पुस्तिका में सरल भाषा, स्पष्ट फांट, आसानी से दिखने वाले रंगों एवं सहज चित्रलेखों को प्राथमिकता दी गई है। संकेतकों को बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों एवं दिव्यांगजनों समेत सभी यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 1,275 स्टेशनों का विकास नए तरीके से किया जा रहा है। दीर्घकालिक मास्टर प्लान के तहत स्टेशन परिसरों को सुरक्षित, आरामदायक और स्वच्छ बनाया जा रहा है। अबतक तीन स्टेशनों रानी कमलापति, गांधीनगर कैपिटल और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल को चालू कर दिया गया है। 88 पर काम चल रहा है एवं शेष 1187 स्टेशनों के लिए निविदा और योजना कार्य प्रगति पर है।

मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, क्रिकेटर मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत से मांग की है कि भारत में तलाक के लिए एक जैसा कानून होना चाहिए। साथ ही मुसलमानों में तलाक-उल-हसन और न्यायिक दायरे के बाहर तलाक देने की जो परंपरा है, उसे रद्द करना चाहिए। इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है और केंद्र सरकार के साथ महिला आयोग को भी नोटिस जारी किया है। शमी की पत्नी की ओर से अधिवक्ता दीपक प्रकाश ने याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि हसीन जहां न्यायिक दायरे के बाहर मिलने वाले तलाक-उल-हसन के एकतरफा प्रक्रिया से पीड़ित है। शमी ने उन्हें पिछले साल 23 जुलाई को तलाक-उल-हसन के तहत तलाक का पहला नोटिस भेजा था। हसीन जहां के वकील ने कहा कि शमी की ओर से मिले नोटिस के बाद जहां ने अपने करीबियों से भी संपर्क किया था जो खुद इस तरह के मामलों में फंसे हुए हैं। हसीन जहां के वकील ने कोर्ट से

कहा कि शमी की पत्नी शरीयत कानून में शामिल कठोर प्रथाओं से पीड़ित हैं। तलाक-ए-बिद्दत के अलावा इस कानून में और भी ऐसे तलाक हैं जो पुरुषों को उनकी मनमर्जी से बीवियों को छोड़ने का मौका देते हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शरीयत एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की धारा 2 असंवैधानिक है। यह देश के संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21 और 25 का भी उल्लंघन करती है।

मदरसे में फंदे से लटका मिला किशोरी का शव, मां ने एक शिक्षक पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

तिरुअनंतपुरम, केरल के बलरामपुरम शहर के एक मदरसे में एक लाइब्रेरी मे 17 वर्षीय किशोरी कथित रूप से मृत पाई गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि किशोरी की पहचान तिरुअनंतपुरम के बीमापल्ली इलाके की निवासी आसमिया मोले के रूप में हुई है। मृतका की मां ने मदरसे के एक शिक्षक द्वारा बच्ची को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए बलरामपुरम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, आसमिया मोले ने शनिवार दोपहर अपनी मां को फोन कर घर वापस ले जाने को कहा। उसकी मां शाम साढ़े चार बजे के आसपास मदरसे पहुंची। किशोरी को ले जाने के लिए उसे अनुमति लेने के लिए कहा गया। लगभग 6.30 बजे उसे सूचित किया गया कि उसकी बेटी लाइब्रेरी के अंदर लटकी पाई गई। उसकी मां उसे एक

निजी अस्पताल ले गई जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। लड़की के चाचा ताजुद्दीन ने बताया कि लड़की रमजान में घर आई थी तब अपनी मां को बताया था कि मदरसे का एक नया शिक्षक परेशान करता है। दो मई को मदरसे वापस लौटने पर उसने मां से शिक्षक के बारे में फिर शिकायत की थी।

मातृत्व अवकाश बढ़ाकर नौ माह करने पर विचार हो - पाल

दिल्ली, नीति आयोग के सदस्य पी के पॉल ने कहा कि निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों को महिला कर्मचारियों के लिए मातृत्व अवकाश की अवधि 6 महीने से बढ़ाकर 9 महीने करने पर विचार करना चाहिए। मातृत्व लाभ (संशोधन) विधेयक, 2016 को 2017 में संसद में पारित किया गया था, जिसके तहत पहले 12 सप्ताह के वैतनिक मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया था। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ के महिला संगठन ने एक बयान जारी कर पॉल के हवाले से कहा, "निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों को मातृत्व अवकाश को मौजूदा 6 महीने से बढ़ाकर नौ महीने करने को लेकर साथ बैठकर विचार करना चाहिए। बयान के अनुसार, पॉल ने कहा कि निजी क्षेत्र को बच्चों की बेहतर परवरिश सुनिश्चित करने के लिए और अधिक क्रेच (प्लेम्प) खोलने चाहिए तथा उनकी एवं जरूरतमंद बुजुर्गों की समग्र देखभाल की व्यवस्था तैयार करने के आवश्यक कार्य में नीति आयोग की मदद करनी चाहिए। पॉल ने कहा कि देखभाल के लिए भविष्य में लाखों कर्मचारियों की आवश्यकता होगी, इसलिए व्यवस्थित प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। सुधा शिवकुमार ने कहा कि वैश्विक स्तर पर देखभाल की अर्थव्यवस्था एक अहम क्षेत्र है, जिसमें देखभाल करने एवं घरेलू कार्य करने वाले वैतनिक और अवैतनिक श्रमिक शामिल हैं।

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
डी-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870 / 9820361619
vinod143singh@gmail.com

मानवाधिकार फाउंडेशन
मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)
कानूनी सलाह एवं कानूनी निपटारे के लिए संपर्क करें
09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी, मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

द रेड स्टार न्यूज को अनुभवी संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9987585870
vinod143singh@gmail.com

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST
SHREE SAI CLINIC
Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30
Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH, Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

अखंड राष्ट्रवादी श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सर्वोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

आवश्यकता है ...
भारत के सभी राज्यों एवं जिलों से अनुभवी पत्रकार एवं विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें.
+91 9987585870

आवश्यक सूचना
पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.
9820361619

महादेव दूध डेरी व स्वीट हाउस
हमारे यहां सुबह-शाम दूध लिया व दिया जाता है
मिठाई, दही, देशी घी, लस्सी, सफल मटर, पनीर, छेना, मशरुम, खोवा, कोल्डड्रिंक्स, मिनरल वाटर भी मिलता है
ऑर्डर देने पर बर्थडे केक भी मिलता है
प्रो. अशोक पाल : 8756685845
पता- खोईरी इंटर कॉलेज (डिहवा) के पास, बरसठी बंधवा रोड, बरसठी, जौनपुर

पुणे के खडकवासला डैम में डूबी 9 लड़कियां दो की मौत

मुंबई, महाराष्ट्र के पुणे जिले में खडकवासला डैम में डूबने से दो लड़कियों की मौत हो गई। पुणे ग्रामीण प्रशासन के अनुसार, खडकवासला बांध में डूबने के बाद सात लड़कियों को बचा लिया गया, जबकि दो लापता थीं। काफी खोजबीन के बाद दोनों लड़कियों का शव बरामद हुआ। हैरान कर देने वाली यह घटना पुणे से 13 किमी दूर गोऱ्हे खुर्द तालुका के हवेली गांव की सीमा में हुई। जानकारी के मुताबिक, शादी कार्यक्रम के चलते गांव आई लड़कियां आज सुबह बांध के पानी में तैरने के लिए उतरी थीं। इस बीच, नौ लड़कियां डूबने लगी। चीख-पुकार सुन सात लड़कियों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। लेकिन दुर्भाग्य से दो लड़कियों की जान नहीं बचायी जा सकी। फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर मौजूद है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बुलढाणा की रहने वाली नौ लड़कियां शादी के लिए खडवासला आई थीं। बांध के नजदीक ही विवाह के लिए मंडप लगाया गया था। पुलिस का मानना है कि सभी लड़कियां खडकवासला डैम घुमने चली गई, जहां उन्होंने नहाने की योजना बनाई। लड़कियों को पानी में डूबता देख स्थानीय लोग उन्हें बचाने के लिए पानी में कूदे और सात को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जबकि दो लड़कियों को मृत पाया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। खबर है कि कल भी खडकवासला डैम के करीब स्थित नहर में तैरने आया एक युवक डूब गया। पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएमआरडीए) के नांदेड़ सिटी फायर स्टेशन के कर्मचारी उसकी तलाश कर रहे हैं। डूबे युवक का नाम भवानी पेठ निवासी जुबेर इस्माईल शेख (उम्र 28 वर्ष) बताया जा रहा है।

तेज रफ्तार और बिना हेलमेट ट्रिपल सवारी

मुंबई, मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। माहिम दरगाह से एक ही बाइक पर तीन दोस्त बैठकर घर लौट रहे तीन थे। इस बीच, बीकेसी स्थित कालानगर फ्लाईओवर पर उनकी बाइक का एक्सीडेंट हो गया। जिस वजह से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक घायल हो गया। उसे सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया। वह अब खतरे से बाहर है। मृतकों की पहचान नावेद आलम हिदरीसी (23) और फैयाज अंसारी (31) तथा घायल युवक की पहचान सोहेल खान (25) के रूप में हुई है। सभी पीड़ित गोवंडी के बैगनवाड़ी के रहने वाले हैं। पुलिस ने कहा कि वे तीनों एक ही बाइक से फ्लाईओवर से गुजर रहे थे, तभी उनकी तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार सुबह करीब साढ़े छह बजे हुई। उनमें से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था और फैयाज बाइक चला रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा हमने बाइक सवार के खिलाफ तेज रफ्तार और लापरवाही के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। वही शुक्रवार सुबह जलगांव में एक तेज रफ्तार पिकअप वैन के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और पिकअप ने सड़क के पास एक मंदिर के सामने बैठे चार लोगों को कुचल दिया। यह भीषण हादसा पाचोरा शहर के महाराणा प्रताप चौक स्थित दत्त मंदिर के सामने सुबह साढ़े पांच बजे के करीब हुआ। इस हादसे में चार पीड़ितों में से दो के पैर कटकर अलग हो गए। जबकि दो अन्य लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

पुल की रेलिंग तोड़ पटरी पर गिरी पिकअप सामने से आ रही थी ट्रेन...

मुंबई, महाराष्ट्र के नासिक जिले के इगतपुरी-घोटी के बीच बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। मुंबई-आगरा हाईवे पर बोरटेंभे शिवारात में रेलवे पुल से एक पिकअप वाहन सुरक्षा दीवार तोड़ते हुए सीधे रेलवे ट्रैक पर गिर गई। हालांकि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दो लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि इसी समय भुसावल-इगतपुरी मेमो ट्रेन आ रही थी, लेकिन घटनास्थल के करीब मौजूद रेलवे कर्मचारियों ने मेमो ट्रेन को लाल झंडी दिखाकर उसे रोक दिया। जिस वजह से एक बड़ी जनहानि होने से बच गई। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को मुंबई से फूलों का माल उतारने के बाद पिकअप दोपहर 3 बजे के आसपास बोरटेंभे क्षेत्र में पहुंची तो चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन रेलवे पुल की रेलिंग तोड़कर 35 फीट नीचे रेलवे ट्रैक पर गिर गई। इस दौरान वहां मौजूद 7 से 8 रेलवे कर्मचारियों ने भुसावल से इगतपुरी जा रही मेमू ट्रेन को लाल झंडी दिखाकर रोक दिया जिससे हादसा टल गया। इस बीच, रेलवे कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा टीम, लोहमार्ग पुलिस, इगतपुरी पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप को रेलवे ट्रैक से हटवाया। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए है। उन्हें जगद्गुरू नरेंद्राचार्य एम्बुलेंस में इगतपुरी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोहमार्ग पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल के जवानों व स्थानीय नागरिकों ने मुस्तैदी दिखाते हुए रेल रूट को तत्काल सामान्य कराया।

अकोला के बाद अहमदनगर में भड़की हिंसा
जयंती जुलूस पर पथराव

मुंबई, महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में बीती रात धार्मिक जुलूस के दौरान दो गुटों के बीच हिंसक झड़प की घटना में कई लोग घायल हो गये है। अहमदनगर के शेवगांव तहसील में कल रात छत्रपति संभाजी महाराज जयंती जुलूस के दौरान दो गुटों के बीच पथराव हुआ। जिसके बाद स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। भीड़ को तितर-बितर करने के दौरान कम से कम चार पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। अकोला में दो समुदायों के बीच खूनी झड़प के एक दिन बाद शेवगांव में उपद्रवियों ने जमकर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी की।

बताया जा रहा है कि दंगे को नियंत्रण करने के लिए शेवगांव थाने की फ़ोर्स मौके पर पहुंची। इस दौरान चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। कुछ ही देर में पुलिस ने स्थिति पर काबू पा लिया। हालात को देखते हुए शेवगांव पुलिस की मदद के लिए पाथर्डी, नेवासा से अतिरिक्त पुलिसबल मौके पर भेजी गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। यह घटना तब हुई जब छत्रपति संभाजी महाराज जयंती के अवसर पर निकाली गई जुलूस छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर पहुंची। हालांकि इस जुलूस के लिए पुलिस ने कड़ा बंदोबस्त किया था। इस धार्मिक यात्रा के लिये अतिरिक्त पुलिस, एसआरपीएफ फोर्स की पहले से ही तैनाती की गई थी। शेवगांव शहर में जुलूस शाम करीब साढ़े पांच बजे शुरू हुई थी। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया था। जुलूस रात करीब आठ बजे छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पहुंची। आरोप है कि इस दौरान जुलूस पर अचानक पत्थर फेंके गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने अब तक 50 लोगों को हिरासत मे लिया है। जबकि पत्थरबाजों की तलाश की जा रही है। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई और जमकर पथराव हुआ। इस हंगामे के चलते व्यवसायियों ने अपनी दुकानें बंद कर दी। भीड़ ने वाहनों पर भी पथराव किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की। कुछ दुकानों को भी निशाना बनाया गया। हालांकि पुलिस ने समय रहते हस्तक्षेप कर स्थिति पर काबू पाया। प्रशासन ने नागरिकों से शांति की अपील की जा रही है। शेवगांव हिंसा को लेकर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने शिंदे-फडणवीस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा इस मामले में राज्य के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बोलना चाहिए। अगर उन्हें राजनीति से फुर्सत होगी तो वो कानून-व्यवस्था के बारे में सोचेंगे और बोलेंगे। मुझे लगता है कि इस राज्य के गृह मंत्री को महाराष्ट्र के कानून-व्यवस्था से मतलब नहीं है क्योंकि वो 24 घंटे राजनीति में व्यस्त रहते हैं।

अजित पवार ने बताई महाविकास आघाडी की गलती

मुंबई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि यदि महाविकास आघाडी ने सही समय पर फैसला लिया होता तो शिवसेना में विद्रोह के बाद उपजे हालत के परिणाम आज कुछ और ही होते। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता पवार ने कहा महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष पद से नाना पटोले के इस्तीफे के बाद एमवीए तुरंत एक्शन में आती तो शिवसेना में फूट से मची उथल-पुथल के बाद 16 विधायकों की अयोग्यता के मामले से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता था। एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों के बगावत के बाद उद्धव ठाकरे नीत एमवीए सरकार के गिरने के कारण महाराष्ट्र में पैदा हुए राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसला सुनाए जाने के एक दिन बाद अजित पवार ने पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की ठाकरे की मांग व्यर्थ है. क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मौजूदा लोगों में बहुत फर्क है। दरअसल शिवसेना में विभाजन के बाद एकनाथ शिंदे ने अपने खेमे के विधायकों के साथ बीजेपी से हाथ मिलाया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन गए। अजित पवार ने कहा सबसे पहली बात तत्कालीन स्पीकर नाना पटोले ने तब सीएम रहे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से चर्चा किए बिना ही इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफा देने के बाद ही इसकी घोषणा की गई थी। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि फरवरी 2021 में कांग्रेस नेता पटोले के इस्तीफे के बाद एनसीपी, कांग्रेस और अविभाजित शिवसेना के महागठबंधन एमवीए को नए स्पीकर की नियुक्ति का मुद्दा उठाना चाहिए था। लेकिन दुर्भाग्य से एमवीए के रूप में हम ऐसा करने में नाकाम रहे।

महाराष्ट्र में जल्द होगा कैबिनेट विस्तार 20 विधायक बनेंगे मंत्री

मुंबई, महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष का परिणाम आ गया है। उद्धव ठाकरे बनाम एकनाथ शिंदे की सियासी जंग पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। जिसके बाद शिंदे-फडणवीस सरकार के सुरक्षित बने रहने पर मुहर लग गई है। इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार का रास्ता भी साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि शिवसेना से बगावत करने वाले विधायकों की अयोग्यता को लेकर विधानसभा अध्यक्ष फैसला लें. दावा किया जा रहा है कि कोर्ट के इस फैसले से शिंदे सरकार बच गई है। लिहाजा एक बार फिर कैबिनेट के विस्तार पर चर्चा तेज हो गई है। एकनाथ शिंदे गुट के शिवसेना विधायक संजय शिरसाट ने कैबिनेट विस्तार पर बड़ा बयान दिया है। शिरसाट ने एक कार्यक्रम में दावा किया है कि शिंदे-फडणवीस सरकार जल्द ही कैबिनेट का विस्तार करेगी, जिसमें 20 विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे। कैबिनेट विस्तार को लेकर बड़ा दावा करते हुए शिवसेना विधायक संजय शिरसाट कहा कि अगले आठ से दस दिनों में राज्य सरकार में कई नए मंत्री जुड़ेंगे। इतना ही नहीं संजय शिरसाट ने यह भी कहा है कि कुल 20 विधायक मंत्री बनेंगे। हालांकि शिंदे गुट के नेता ने शपथ लेने वाले संभावित विधायकों के नामों का खुलासा नहीं किया। लेकिन शिरसाट के इस बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द ही शिंदे-फडणवीस सरकार में मंत्रियों की संख्या बढ़ेगी और नए सिरे से विभागो का आवंटन किया जायेगा। इस बीच दो दिन पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कहा था कि राज्य के मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द किया जाएगा। जबकि शिंदे गुट को समर्थन देने वाले विधायक और प्रहार जनशक्ति पार्टी के प्रमुख बच्चू कडू ने शुक्रवार को कहा था कि महाराष्ट्र कैबिनेट विस्तार में अब कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। शिंदे सरकार के कैबिनेट का विस्तार तत्काल किया जाना चाहिए। बच्चू कडू ने कहा, शिंदे-फडणवीस सरकार की कैबिनेट में मेरा नाम कब शामिल होगा, यह नहीं कहा जा सकता है। लेकिन इतना तय है कि राज्य सरकार का विस्तार 21 मई से 22 मई तक हो सकता है। कैबिनेट विस्तार हमारे लिए नहीं बल्कि जनता के लिए महत्वपूर्ण है।

उत्तर महाराष्ट्र के बाद मराठवाड़ा में लू का कहर, 2 लोगों की मौत

मुंबई, महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का रौद्र रुप दिख रहा है। पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। इस बीच मराठवाड़ा से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जहां हीट स्ट्रोक की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई है। मुंबई-पुणे समेत राज्य के विदर्भ, मराठवाड़ा क्षेत्र में तापमान बढ़ने के बाद लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मराठवाड़ा में पिछले तीन दिनों से पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है। संभाजीनगर जिले के पैठण तालुका के आडूळ बुद्रुक और नांदेड़ जिले के हिमायतनगर में लू लगने से दो लोगों की मौत हो गई है। इससे पहले हिंगोली कनेरगाव नाका में एक चार साल के बच्चे की भीषण गर्मी की वजह से मौत हो गई थी। मराठवाड़ा में हीट स्ट्रोक से अब तक कुल तीन लोगों की जान गई है। हिमायतनगर में 28 वर्षीय विशाल रामराव मादसवार ने शुक्रवार को पूरे दिन खेत में काम किया। घर पर रात के खाने के बाद उसे अस्वस्थ महसूस हुआ। परिजन तत्काल युवक को लेकर ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। संभाजीनगर जिले के आडूळ बुद्रुक में शनिवार को लू लगने से 38 वर्षीय तातेराव ऊर्फ बंडू मदन वाघ ने दम तोड़ दिया। मौसम विभाग ने एक-दो स्थानों पर उष्ण लहर की चेतावनी जारी की है। आईएमडी ने मुंबई में शुक्रवार तक अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री सेल्सियस और पुणे में 41 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड होने की संभावना जताई है।

बड़े बेटे ने मां को डांटा तो भड़क गया छोटा बेटा भाई के सीने में घोंपा चाकू

ठाणे , मुंबइ से सटे ठाणे जिले में घरेलू विवाद के चलते छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को चाकू मार दिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित ने अपनी मां को डांटा था, जिससे छोटा भाई नाराज हो गया और उसने अपने बड़े भाई पर कथित तौर पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने 18 वर्षीय आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। शील दाइघर पुलिस के अनुसार, आरोपी पुणे में रहता है। जबकि उसकी मां नूरजहाँ अपने बड़े बेटे मोहम्मद बरी शेख (30) और उसकी पत्नी (आरोपी की भाभी) के साथ मुंब्रा से सटे शिलफाटा के सहारा कॉलोनी इलाके में रहती है। पुलिस ने कहा 'आरोपी की मां और उसकी भाभी के बीच शुक्रवार को किसी घरेलू मुद्दे पर बहस हुई थी, जिसके बाद उसके बड़े भाई ने हस्तक्षेप किया और अपनी मां को डांटा। इस बात का पता चलने के बाद आरोपी अपने बड़े भाई पर भड़क गया और वह पुणे से मुंब्रा लौट आया।' एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी को इसकी जरा भी उम्मीद नहीं थी कि उसका भाई अपनी मां को डांटेगा। इसलिए आरोपी ने पुणे से तुरंत घर लौटने और अपने बड़े भाई से स्पष्टीकरण मांगने का फैसला किया। 18 वर्षीय आरोपी घर लौटते ही बड़े भाई से मिलने उसकी इमारत की छत पर गया, जहां दोनों के बीच गरमागरम बहस हुई। इसके बाद छोटे भाई ने गुस्से में धारदार हथियार से पीड़ित के सीने पर वार कर दिया और मौके से फरार हो गया। इसके बाद लहूलुहान हालत में बड़े भाई को एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। पड़ोसियों और परिवार के सदस्यों ने वारदात की सूचना पुलिस को दी। मौके पर छानबीन के बाद पुलिस ने आरोपी को ट्रैक का लिया। आरोपी को हत्या के प्रयास के आरोप में आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेलते-खेलते ढाई साल के बच्चे ने खाया चींटी मारने का जहर

मुंबई, महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। गढ़िंगलाज तहसील के मुगली गांव में शुक्रवार को गलती से चींटी मारने का जहर खा लेने से एक ढाई वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चे के परिजनों को जब इसकी भनक लगी तो वह तुरंत बच्चे को गढ़िंगलाज के उप-जिला अस्पताल लेकर गए। लेकिन बच्चे की हालत गंभीर होती गई और उसे फिर कोल्हापुर के सीपीआर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। सीपीआर पुलिस व मृतक के परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अवधूत रवि पाटिल अपनी मां के साथ कोल्हापुर जिले की मुगली गांव स्थित अपने नाना-नानी के घर आया हुआ था। मृतक बच्चे का घर कर्नाटक के निपानी में है। शुक्रवार दोपहर में बच्चे की मां कपड़े धो रही थी, जबकि उसके नाना रमा मुनाले किसी काम से बाहर गए हुए थे। बच्चे की नानी भी किसी रिश्तेदार के यहां गई हुई थी। इस दौरान घर में खेलते समय अवधूत ने गलती से चींटियों को मारने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पाउडर खा लिया। जहरीला पाउडर खाते ही बच्चे को उल्टी होने लगी और उसका सांस फूलने लगा। थोड़ी ही देर में वह बेहोश हो गया। ढाई वर्षीय अवधूत को तुरंत उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चूंकि बच्चे की हालत गंभीर होने के चलते देर रात उसे कोल्हापुर के सीपीआर अस्पताल में शिफ्ट किया गया।

महाराष्ट्र के परभणी में दर्दनाक हादसा

मुंबई, महाराष्ट्र के परभणी में दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना परभणी के सोनपेठ तालुका के भाऊचा तांडा इलाके में गुरुवार की आधी रात को एक खेत में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस व स्वास्थ्य महकमे ने शव को परभणी के जिला सामान्य अस्पताल में भेजा। जबकि एक पीड़ित की हालत गंभीर है और उसका इलाज परली के एक अस्पताल में चल रहा है। दम घुटने से मरने वाले मजदूरों के नाम शेख सादेक, शेख जुनेद, शेख शारोक, शेख नवीद, शेख फेरोज हैं। परभणी के सोनपेठ तालुका के भाऊचा तांडा के एक खेत में शेख सादेक, शेख जुनेद, शेख शारोक,जमीर शेख शौचालय के सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे थे.

शिंदे-फडणवीस सरकार के कैबिनेट विस्तार का रास्ता साफ

मुंबई, महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष को लेकर शीर्ष कोर्ट के अंतिम फैसले के बाद शिंदे-फडणवीस सरकार के कैबिनेट विस्तार होने के संकेत मिल रहे हैं। शिंदे गुट को समर्थन देने वाले विधायक और प्रहार जनशक्ति पार्टी के प्रमुख बच्चू कडू ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए बड़ी जानकारी दी है। अब महाराष्ट्र कैबिनेट विस्तार में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। शिंदे सरकार के कैबिनेट का विस्तार तत्काल किया जाना चाहिए। शिंदे-फडणवीस सरकार की कैबिनेट में मेरा नाम कब शामिल होगा, यह नहीं कहा जा सकता है। लेकिन इतना तय है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुझसे किया हुआ वादा निभाएंगे। मैंने जो सुना है, उसके अनुसार कैबिनेट का विस्तार 21 मई से 22 मई तक हो सकता है। कैबिनेट विस्तार हमारे लिए नहीं बल्कि जनता के लिए महत्वपूर्ण है। बच्चू कडू ने कहा, अभी एक मंत्री के पांच-छह विभाग हैं। इससे कामकाज संभालने में दिक्कतें आ रही हैं। इसलिए कैबिनेट विस्तार करना जरूरी है। किसी को भी मंत्री पद मिले, लेकिन कैबिनेट का विस्तार अब आवश्यक हो गया है। कैबिनेट का विस्तार यदि अभी नहीं हुआ तो 2024 के बाद ही होगा। मालूम हो कि शिंदे-फडणवीस सरकार के पहले कैबिनेट विस्तार में कुछ ही विधायकों को मौका मिला था। तब मंत्री पद गंवाने वाले कई विधायक खफा हो गए थे। लंबे समय से वे असंतुष्ट विधायकों की नजर कैबिनेट विस्तार पर है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जब शिंदे-फडणवीस सरकार सुरक्षित हो गई है तो पद के लिए कई विधायक लॉबिंग करने लगे हैं।चर्चा है कि आगामी कैबिनेट विस्तार में करीब 15 से 19 मंत्री शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल हो सकते हैं। राज्य सरकार के मौजूदा कैबिनेट में कुल 20 मंत्री हैं। इसमें 15 से 19 मंत्रियों को और जोड़े जाने की संभावना जताई जा रही है। नए मंत्रियों के शामिल होने के बाद पालक मंत्रियों की सूची में भी काफी बदलाव किए जा सकते हैं। बता दें कि बच्चू कडू अमरावती जिले के अचलपुर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं और मुख्यमंत्री शिंदे की गठबंधन सरकार का समर्थन कर रहे हैं। कडू की प्रहार जनशक्ति पार्टी के सदन में दो विधायक हैं। बीते साल जून महीने में शिवसेना में अब तक का सबसे बड़ा विद्रोह हुआ, जिसके कारण तत्कालीन उद्धव ठाकरे नीत महाविकास आघाडी (एमवीए) सरकार गिर गयी थी। एमवीए सरकार में कडू को मंत्री पद मिला था।लेकिन शिंदे-फडणवीस सरकार में उन्हें अभी तक कोई मंत्री पद नहीं मिला है।

जनता दर्शन में सीएम ने सुनीं लोगों की समस्याएं
बोले इलाज में मदद की जाएगी

विनोद सिंह, गोरखपुर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के उपचार में आर्थिक सहायता के प्रार्थना पत्रों को जल्द से जल्द शासन में भेजने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। उन्होंने कहा है कि गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों का इलाज बेहतरीन अस्पतालों में कराया जाएगा। इसके लिए मरीज की कमजोर आर्थिक स्थिति बाधा नहीं बनेगी। सीएम योगी ने यह निर्देश सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और निराकरण का भरोसा दिया। सोमवार को मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्या बताने वालों में बड़ी संख्या उन लोगों की रही जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। एक महिला ने लखनऊ के एक अस्पताल में अपने परिजन के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार की। महिला द्वारा बताया गया अस्पताल संभवतः इलाज सहायता प्राप्त करने को अर्हता नहीं रखता है। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीज को एसजीपीजीआई या केजीएमयू में भर्ती कराया जाए। सीएम ने महिला से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा।महिला ने बताया कि नहीं है। मुख्यमंत्री ने उसे आश्वस्त किया कि आप बिना चिंता उपचार कराइए, पैसा हम देंगे। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया

कि जल्द से जल्द इलाज के लिए इस्टीमेट बनवाकर शासन को भेजें। उन्होंने महिला को भरोसा देते हुए कहा कि इलाज में मदद के लिए आपको डीएम साहब के यहां से फोन जाएगा। सीएम ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे सभी लोगों को आश्वस्त किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण होते हैं मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता धनराशि जारी कर दी जाएगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सभी लोगों के प्रार्थना पत्रों को विषयानुसार प्रशासन व पुलिस के अफसरों को हस्तगत करते हुए निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उनका संतुष्टिपरक त्वरित समाधान कराएं। इस दौरान कुछ लोग गोरखपुर मंडल के बाहर के जिलों से भी आए थे।

आजमगढ़ में नहीं चला योगी का जादू
सपा ने फिर दिखाया दम

विजय सिंह, आजमगढ़, निकाय चुनाव में सपा के गढ़ आजमगढ़ में योगी आदित्यनाथ का जादू नहीं चला। आजमगढ़ जिले में तीन नगर पालिका आती है। इनमें से एक पर भी बीजेपी नहीं जीत पाई है। 2 सीटों पर सपा ने जीत दर्ज की है तो वहीं 1 सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं। आजमगढ़ जिले में 16 नगर निकायों के लिए चुनाव भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बना हुआ था। इनमें से बीजेपी को 1 सीट पर जीत मिली और 10 सीटों पर निर्दलियों ने कब्जा जमाया। वहीं सपा के खाते में पांच सीटें आईं। आजमगढ़ के 16 नगर निकायों में बीजेपी को एक मात्र सीट महराजगंज पर जीतने में कामयाब रही। जबकि सपा ने आजमगढ़ नगर पालिका और नवगठित नगर पालिका बिलरियागंज के साथ नगर पंचायत अजमतगढ़, अतरौलिया और नव गठित नगर पंचायत जहानागंज पर कब्जा जमाया। वहीं नगर निकाय की 10 सीटों पर निर्दलियों का कब्जा रहा। जिसमें मुबारकपुर नगरपालिका भी शामिल रही। वहीं नगर पंचायतों में निजामाबाद, मेंहनगर, जीयनपुर, लालगंज, फूलपुर, माहुल, बूढ़नपुर, मार्टीनगंज, सरायमीर में

निर्दलियों के हाथ बाजी लगी। बीजेपी निकाय चुनाव को 2024 लोकसभा के चुनाव के पहले सेमीफाइनल के तौर पर देख रही थी। इसलिए बीजेपी ने मैदान में पूरी ताकत से उतरी और स्थानीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए लोगों को टिकट दिए। टिकट बंटवारे के बाद कार्यकर्ताओं के बीच गतरोध पैदा हो गया। इससे कुछ कार्यकर्ता बागी होकर निर्दलीय चुनाव मैदान में ताल ठोक दिया।

मुख्तार के करीबी
चंदा के घर पर पुलिस ने दी दबिश

विनोद सिंह, गाजीपुर, अतीक अहमद की हत्या के बाद प्रदेश एक सबसे चर्चित माफिया मुख्तार अंसारी पर उत्तर प्रदेश सरकार का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। उसके गुर्गों पर भी लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को भारी पुलिस फोर्स ने मुहम्मदाबाद सर्किल के सीओ हितेंद्र सिंह के नेतृत्व में मुख्तार के करीबी और बाराबंकी एम्बुलेंस मामले में फरार चल रहे जफर खां चंदा के आवास पर उसकी और उसके जिला बदर लड़के फरहान की तलाश में छापेमारी की। चंदा जमानत पर बाहर आया था पर गुरुवार की दोपहर भारी पुलिस फोर्स सीओ मुहम्मदाबाद के नेतृत्व में नगर के भट्टी मोहल्ला पहुंची तो पूरा मोहल्ला पुलि बूटों से गूंज उठा। हर खिड़की-हर दरवाजे पर लोग भारी पुलिस फोर्स देखने के लिए खड़े दिखे। पुलिस फोर्स सीधे मुख्तार के खास जफर खां चंदा के घर पहुंची और उसे चारों तरफ से घेर लिया। उसके बाद अधिकारी घर में दाखिल हुए। बाराबंकी एम्बुलेंस मामले में जेल गया जफर कुछ दिन पहले जेल से जमानत पर बाहर

आया है और अपने भट्टी स्थिति निवास पर ही रह रहा है। वहीं उसके बेटे फरहान की अपराधी गतिविधि देखते हुए गाजीपुर डीएम आर्यका अखौरी ने चुनाव के पहले 6 महीने के लिए जिला बदर किया था। इन दोनों की तलाश में दबिश देने पहुंची पुलिस को दोनों नहीं मिले। बाप बेटे की तलाश में पहुंची पुलिस ने शहर का कोना-कोना खंगाला और हर कमरे में सघन तलाशी ली। इस दौरान घर वालों से पूछताछ भी की गई लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस के अनुसार घर में कोई भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है।

सड़क दुर्घटना में मौत के बाद ग्रामीणों का छलका आक्रोश

अवधेश यादव, जौनपुर, जौनपुर-आजमगढ़ हाइवे पर गौरा बादशाहपुर थानाक्षेत्र के केराकत तिराहे पर हुए बाइक एक्सीडेंट में दो बाइक सवारों की मौत हो गई। बाइक सवार आजमगढ़ से किसी शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। तेज रफ्तार बाइक बीती रात केराकत तिराहे से केराकत की तरफ घूम रही ट्रक से टकरा गई थी। इस हादसे में एक की मौके पर मौत हो गई और दुसरे को पहुंचाया गया जहां उसकी भी इलाज के दौरान मौत हो गई। दोनों युवक बक्शा थानाक्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव निवासी थे। वहीं सुबह जब लखनऊ-जौनपुर हाइवे स्थित बक्शा थानाक्षेत्र के कुल्हनामऊ निवासी युवक के परिजनों को मामले की जानकारी हुई तो ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी। पुलिस जब जाम छुड़ाने पहुंची तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए और पुलिस पर पथराव कर दिया। इस पथराव में पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। हादसे में मृत दोनों व्यक्तियों के शवों को पुलिस ने मर्चरी भेजवाया और शिनाख्त करवाई तो दोनों बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव निवासी शिवजीत (30) पुत्र लालचंद तथा सुजीत (26) पुत्र सुरेश निकले। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों के अनुसार दोनों किसी शादी समारोह में शामिल होने आजमगढ़ गए थे। वहां से लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। पुलिस के अनुसार बाइक की रफ्तार इतनी तेज थी की वह ट्रक में जाकर फंस गई और उसे चला रहे और पीछे बैठे दोनों युवक सड़क पर गिर गए और फट गए। एक की मौके पर ही मौत हो गई और एक को पुलिस ने होश में होने पर तुरंत जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां उसकी भी इलाज के दौरान मौत हो गई। बक्शा थानक्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव के ग्रामीणों को जब इस बात की सूचना मिली तो उन्होंने लखनऊ-जौनपुर हाइवे जाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाम हटवाना शुरू किया तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए और पुलिस पर पथराव कर दिया। अचानक हुए पथराव से पांच पुलिसकर्मी एसआई अजय सिंह, हंसराज यादव, मुख्य आरक्षी नंदलाल यादव, उदयप्रताप, बालमुकुंद घायल हो गए, जिन्हे फौरन अस्पताल पहुंचाया गया।

विनोद एस.पी.सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 9415287895

जौनपुर नगर पालिका सीट पर बसपा का किला ध्वस्त

विनोद सिंह, जौनपुर, जौनपुर की सभी 12 निकायों के परिणाम शनिवार को देर शाम तक आ गए। ट्रिपल इंजन की सरकार के नारे के साथ इस चुनाव में उतरी भाजपा ने जौनपुर नगर पालिका सीट पर बसपा प्रत्याशी और साल 2017 में चेयरमैन बनी माया टंडन और उनके पति दिनेश टंडन का 22 साल पुराना तिलिस्म तोड़ कमल खिला दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रैली ने भाजपा को संजीविनी दी और पिछले चुनावों की अपेक्षा जनता के आशीर्वाद से भाजपा ने इस वर्ष जौनपुर सदर सीट सहित जिले की 4 निकायों में अपना परचम लहरा दिया। जौनपुर सदर सीट नगर पालिका परिषद के चेयरमैन पद पर बसपा के दिनेश टंडन और उनकी पत्नी माया टण्डन को कद्दावर प्रत्याशी माना जाता है, लेकिन साल 2023 के निकाय चुनाव की कल संपन्न हुई मतगणना में भाजपा प्रत्याशी मनोरमा मौर्या ने 10791 मतों के अंतर से बसपा की टंडन को हराकर यहां भाजपा का कमला खिला दिया। मनोरमा मौर्या को जहां 37406 वहीं माया टंडन को 26615 मत से ही संतोष करना पड़ा। इसके साथ ही टंडन परिवार का शहर जौनपुर में बना तिलिस्म टूट कर बिखर गया। इसके अलावा भाजपा ने मुंगरा बादशाहपुर नगर पालिका, गौरा बादशाहपुर नगर पंचायत और बदलापुर नगर पंचायत में भी कमल खिला। जौनपुर जिले की सबसे हॉट सीट मानी जा रही नगर पालिका परिषद् शाहगंज सीट पर भाजपा की साख को धक्का लगा और भाजपा प्रत्याशी गीता जायसवाल को सपा की रचना सिंह ने दिन में तारे दिखा दिए। उन्होंने गीता जायसवाल को 2560 मतों से हरा दिया। गीता जायसवाल को कुल 4963 और सपा की रचना सिंह 7523 मत मिले हैं। इसके अलावा सपा की प्रत्याशी उम्मेराहिला ने जफराबाद नगर पंचायत और सपा प्रत्याशी वसीम अहमद ने खेतासराय नागर पंचायत पर जीत का परचम लहराया।

किन पत्थरों में बनेगी रामलला की मूर्तियां

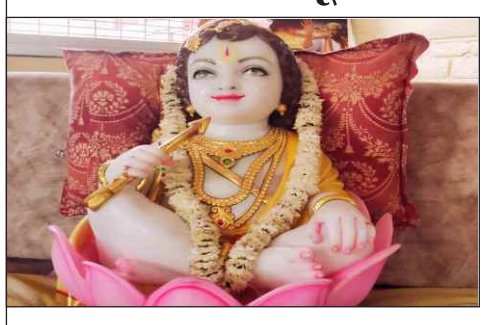

रमाशंकर सिंह, अयोध्या, अयोध्या में रामजन्मभूमि में निर्माणाधीन राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठित की जाने वाली रामलला की अचल मूर्ति निर्माण को लेकर कवायद तेज हो गयी है। 16 मई से मूर्ति बनाने वाले कारीगरों का भी अयोध्या आगमन शुरू हो जाएगा। कर्नाटक के बैंगलौर, मैसूर समेत राजस्थान के भी मूर्तिकार अयोध्या पहुंचेंगे। अचल मूर्ति निर्माण को लेकर नेपाल सहित नेपाल के गंडक क्षेत्र, कर्नाटक व राजस्थान से कुल 12 पत्थर आए हैं। इनके परीक्षण का काम रामसेवकपुरम स्थित कार्यशाला में चल रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक रामलला की मूर्ति के लिए कर्नाटक, राजस्थान और नेपाल की भी शिला पर तरासी का कार्य किया जाना है। मूर्तिकारों के मूर्ति तैयार करने कब बाद उनमें सबसे सर्वोत्तम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा मूल गर्भगृह में कराया जाएगा।

जिसके लिए चित्रकार 5 वर्षीय रामलला के चित्र आकृति तैयार कर ली। अब उसे पत्थरों में मूर्ति रूप दिया जाना है। मूर्तिकार विपिन भदौरिया ने बताया कि जिन पत्थरों पर मूर्ति को आकार दिया जाना है उनकी साफ-सफाई भी पहले की जाएगी। इसके बाद मूर्ति निर्माण का काम प्रारंभ होगा। पहले उन्हें बड़ी मशीनों से सीधा किया जाएगा। बताते चले कि इसी माह के अंत में श्रीरामन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक भी होने जा रही है। बैठक में अचल मूर्ति निर्माण को लेकर अंतिम सहमति बन जाएगी। और मूर्तिकारों को चित्र भी सौंप दिया जाएगा।

भोजपुरी गाने पर प्रधान ने की फायरिंग

विनोद सिंह, देवरिया, देवरिया के तरकुलवा थानाक्षेत्र के सोनहुला राम नगर गांव में रवि प्रजापति के घर 10 मई को बारात आई थी। बारात में मठिया महावल के ग्राम प्रधान सतेन्द्र गुप्ता अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए। जलपान और भोजन के बाद लोग डीजे की धुन पर थिरकने लगे। प्रधान और उनके समर्थकों से भी नहीं रहा गया। वे भी डीजे की धुन पर नाचने लगे। इसी दौरान गीत बजा **ए मुखिया जी मन होखे त बोलीं...** गीत पर उत्साहित होकर युवा ग्राम प्रधान ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। हर्ष फायरिंग का विडियो बनाकर किसी ने सोशल साइट पर वायरल कर दिया। वायरल विडियो और तस्वीरों की सूचना एसपी संकल्प शर्मा तक पहुंची तो उन्होंने आरोपी पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। एसपी के आदेश पर स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई। आरोपी ग्राम प्रधान के विरूद्ध शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई। थानाध्यक्ष दिलीप सिंह ने बताया कि हर्ष फायरिंग के आरोपी प्रधान के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों को नोटिस
मीडिया का भी होगा लिखित बयान

रमाशंकर सिंह, ,इलाहाबाद, माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या में जांच तेज हो गई है। मामले की जांच में जुटी न्यायकि टीम ने पुलिसकर्मियों को 15 दिन के भीतर लिखीत बयान दर्ज कराने का आदेश दिया है। मामले में निष्पक्ष जांच के लिए सरकार ने पांच सदस्यीय टीम गठित किया है। अतीक-अशरफ मामले में टीम को दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को देनी है। अतीक-अशरफ हत्याकांड में मामले की जांच कर रही टीम ने धूमनगंज थाने के उन सभी पुलिस वालों को उनका बयान दर्ज कराने का निर्देश दिया है। जो 15 अप्रैल को उसकी सुरक्षा में लगे हुए थे। इनमें इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही तक को 15 दिन के अंदर अपना बयान लिखित बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस दिया गया है। इनके अलावा मीडियाकर्मियों को भी उनका बयान आयोग के सामने दर्ज कराने के लिए भेजा गया है। इसके साथ ही जल्द ही कॉल्विन अस्पताल के उन डॉक्टरों को भी नोटिस जारी किया जाएगा, जो घटना के दिन वहां ड्यूटी पर तैनात थे। अतीक-अशरफ हत्याकांड की जांच रिपोर्ट न्यायिक आयोग को दो महीने में शासन को सौंपनी है। हत्याकांड के निष्पक्ष जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 16 अप्रैल को आयोग का गठन

किया गया था। तब से लेकर अब तक एक महीने का वक्त बीत चुका है। अब आयोग के पास एक महीने का समय और बचा है। मामले की जांच करने के लिए आयोग की टीम दो बार प्रयागराज का दौरा कर चुकी है। इसी के साथ वह उन सभी जगहों पर भी जा चुकी है। जहां हत्या वाले दिन उन दोनों को पुलिस अपने साथ लेकर गई थी। आयोग के निर्देश पर पुलिस वालों ने सीन रिक्रिएशन भी कराया और उसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई थी। इसके बाद पांच सदस्यीय आयोग ने धूमनगंज थाने का भी निरीक्षण किया था। साथ ही तमाम आला अफसरों के साथ सर्किट हाउस में बैठक भी कर चुका है। मामले में जिस तरह से तेजी से जांच चल रही है उसे देखकर लगता है कि आयोग जल्द ही फिर से प्रयागराज का दौरा कर सकती है।

गृह प्रवेश की खुशियों में लगा ग्रहण गैस सिलेंडर में हुआ रिसाव !

पवन सिंह, वाराणसी, बड़ागांव थानाक्षेत्र के हरहुआ स्थित पीएम आवास परिसर में सोमवार की दोपहर दर्दनाक हादसा होने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यहां के गृहप्रवेश केलिए बन रहे खाने के लिए इस्तेमाल हो रहे गैस सिलेंडर में रिसाव से आग लग गई। इस रिसाव की चपेट में आने से 7 लोग झुलस गए। स्तन्य लोगों की सूझबूझ से आग पर काबू पाया गया है और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे लोगों को मंडलीय चिकित्सालय भेजा, जहां दो की हालत गंभीर बनी हुई है। बड़ागांव थानाक्षेत्र के अनौरा गांव स्थित साईं सिटी में स्थित प्रधानमंत्री आवास परिसर में भदोही के नई बाजार के निवासी सुरेंद्र चौहान को भी आवास मिला है। उन्हें प्रधानमंत्री आवास के ब्लॉक नंबर बी में 162 नंबर फ्लैट अलॉट हुआ है। सोमवार को वर्षों बाद सर सुकून की छत मिलने की खुशी में गृह प्रवेश का आयोजन किया था। इस दौरान खाना भी बनाया जा रहा था। दोपहर 1 बजे अचानक कमर्शियल गैस सिलेंडर ने रिसाव के बाद आग पकड़ ली। महिलाएं, युवतियां इस मौके पर मंगल गीत गए रहीं थी और नाच-गाना चल ही रहा था कि अचानक हुए गैस के रिसाव ने आग पकड़ ली और पूरे घर और

बिल्डिंग में चीख-पुकार मच गई। आग की चपेट में आने से सुरेंद्र चौहान और उनकी पत्नी पूजा चौहान, सितारा देवी, ज्योति, पूजा, गोलू, कालिका धाम के रहने वाले मनोहर पांडेय पुरोहित उनके एक अन्य सहयोगी, हलवाई और एक अन्य झुलस गए। आग की सूचना पर दौड़े पड़ोसियों ने बिल्डिंग में लगे फायर एक्सटेंशन से आग पर काबू पा लिया पर तब तक सात लोग झुलस चुके थे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को एम्बुलेंस से मंडलीय चिकित्सालय स्थित बर्न वार्ड पहुंचवाया, जहां दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

छानबे विधानसभा से अपना दल की रिंकी कोल 9589 वोटों से जीती

अशोक पाल, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश की मिर्जापुर की छानबे विधानसभा सीट पर मतगणना पूरी हो गई है। अपना दल (एस) की प्रत्याशी रिंकी कोल ने सपा की कीर्ति कोल को हरा दिया है। अपना दल(एस) प्रत्यासी रिंकी कोल 9589 वोटों से चुनाव जीत गई हैं। वहीं ,सपा प्रत्याशी रिंकी कोल को 76176 वोट मिले हैं। विधायक राहुल कोल के निधन के छानवे सीट खाली हुई थी। इसके बाद यहां पर उपचुनाव का ऐलान हुआ तो बीजेपी गठबंधन अपना दल (एस) ने दिवंगत विधायक की पत्नी रिंकी कोल को उम्मीदवार बनाया है। उनके सामने सपा ने कीर्ति कोल को टिकट दिया है, जो राहुल कोल के खिलाफ भी चुनाव लड़ी थी। यूपी में आज दो उपचुनाव के नतीजे आए हैं।

दोनों सीटों पर एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। रामपुर के स्वार में बीजेपी गठबंधन प्रत्याशी शफीक अंसारी ने सपा उम्मीदवार अनुराधा चौहान को हराया है।

काशी के मिनी सदन में घट गई मुस्लिम सहभागिता जनता ने दी इंट्री

राहुल सिंह, वाराणसी, उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव के परिणाम आ गए हैं। वाराणसी नगर निगम में एक बार फिर भगवा लहरा रहा है। भाजपा का मेयर और भाजपा के 100 में से 63 पार्षद मिनी सदन पहुंचे हैं। वहीं इस बार काशी के मिनी सदन जहां कौमी एकता के अफसाने के साथ शहर के विकास पर चर्चा होती है वहां मुस्लिम समाज की सहभागिता कम हुई है। इस वर्ष सिर्फ 15 मुस्लिम पार्षद ही सदन पहुंच पाए हैं। भाजपा की भी तीनों मुस्लिम प्रत्याशी जीत का स्वाद नहीं चख सके। साल 2017 के नगर निगम चुनाव में वाराणसी के 90 वार्डों में कुल 21 मुस्लिम पार्षदों ने अपना वर्चस्व कायम किया था। इस वर्ष मुस्लिम कैंडिडेट मैदान में थे पर 100 वार्डों के नगर निगम में मात्र 15 को ही मिनी सदन के लिए जनता ने चुना और उन्हें विजय के रथ पर बैठा दिया। नगर निकाय चुनाव 2023 में भाजपा ने पहली बार पार्षद के लिए तीन मुस्लिम कैंडिडेट मैदान में उतारे थे, जिसमें भाजपा की कद्दावर मुस्लिम महिला नेता हुमा बानों को वार्ड नंबर 78 मदनपुरा से और दो अन्य को मुस्लिम बाहुल इलाकों से टिकट दिया था। इनमे से कोई भी जीत की दहलीज नहीं लांघ पाया और हार का सामना करना पड़ा। वाराणसी में मुस्लिम बहुल इलाकों में भाजपा का मुस्लिम कार्ड फेल होता दिखाई दिया। चुनाव परिणाम में वाराणसी के मुस्लिम मतदाता बंटे हुए दिखाई दिए। उन्होंने सपा और कांग्रेस को बराबर से वोट किया और सदन में 6-6 पार्षद दोनों पार्टियों के पहुंच गए। मुस्लिम बहुल इलाकों में

मतदाताओं ने जमकर वोट किया और कांग्रेस और सपा को बराबर से मतदान किया जिसका परिणाम 6-6 पार्षद के रूप में सामने आया। कई सीटों पर मुस्लिम महिलाओं ने जीत का परचम लहराया है तो कहीं पूर्व और निवर्तमान पार्षद की पत्नियां जीत कर सदन पहुंची हैं। समाजवादी पार्टी से इस वर्ष कुल 6 मुस्लिम पार्षद सदन पहुंचे हैं जिनमे जोल्हा दक्षिण वार्ड से मोहम्मद इरफान, लोहता वार्ड से रिजवाना शाहिना परवीन, अलईपुरा से रजिया बेगम, बागहाड़ा से शमा, ओंकालेश्वर से शाजिया खान और लल्लापुरा कलां से हारून अंसारी ने जीत हासिल की है। कांग्रस के भी 6 मुस्लिम पार्षद मिनी सदन में पहुंचे हैं। इनमें जलालीपुरा वार्ड से शबाना अंसारी, मदनपुरा से इशरत परवीन, काजी सदुल्लहपुरा से फरजाना, कमलगड़हा से नूरजहां परवीन, सरेया से जूफा जबी और कमालपुरा से गुलशन अली ने बाजी मारी है। इसके अलावा मुस्लिम पार्षद के रूप में निर्दल बलुआबीर की ताजर बीबी, कच्चीबाग से शाहीन परवीन, जलालीपुरा के मोहम्मद तैयब का नाम शामिल है।

जेल में राखी सावंत को मारने की प्लानिंग कर रहा आदिल खान?

बॉलीवुड इंडस्ट्री की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अपने काम से ज्यादा अपने बयान को लेकर सुर्खियां बटोरती हैं। एक्ट्रेस ने इस साल की शुरुआत में एक्स-हसबैंड आदिल खान दुर्रानी पर घरेलू हिंसा समेत पैसों की धोखाधड़ी करने जैसा गंभीर आरोप लगाया। राखी के बयान के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आदिल को जेल भेज दिया। वहीं, अब आइटम गर्ल ने आदिल को लेकर बड़ा दावा किया है। साथ ही अपनी जान को खतरा बताती नजर आई हैं। राखी सावंत का दावा है कि उनका एक्स-हसबैंड आदिल जेल से ही उन्हें जान से मारने की साजिश रच रहा है। यह पहली बार नहीं है जब राखी ने इस तरह के दावे किए हैं। एक्ट्रेस ने इससे पहले खुलासा किया था कि जब वे मिले तो आदिल ने अदालत के सत्र के दौरान उन्हें धमकी दी थी। राखी के अनुसार, आदिल ने कहा था कि उनके साथ के सभी कैदी डॉन हैं, और जेल से छूटने के बाद वह राखी को देख लेंगे। राखी ने अपने वकील को इसके बारे में बताया और मीडिया के सामने भी सभी बातचीत का विवरण साझा किया। राखी सावंत अब अपने नए बयान को लेकर लाइमलाइट में आ गई है। ड्रामा क्वीन ने कहा है, दोस्तों मैं एक दुआ पढ़ रही हूं, दुश्मनों से बचने के लिए क्योंकि मेरी जान खतरे में है। अभी-अभी पता चला कि आदिल जेल में मुझे मारने की प्लानिंग कर रहा है। राखी सावंत ने आगे जोड़ा, आदिल, जिसको बचाने वाला अल्लाह है उसे आप नहीं मार सकते। मैं ईमान में आई हूं, मुझे आप नहीं मार सकते। मुझे बचाने वाला अल्लाह है, जो मारने वालों से बड़ा है। राखी सावंत ने आदिल को मैसेज देते हुए पूछा, तुम मुझे मारना चाहते हो, क्यों? संपत्ति के लिए, बदला लेने के लिए? राखी सावंत का यह बयान इस समय काफी सुर्खियों में है। जहां कुछ लोग इस दावे को झूठा करार देते, तो कुछ राखी के प्रति सहानुभूति जाहिर करते नजर आ रहे हैं। राखी सावंत ने यह भी दावा किया है कि उनकी एक शख्स से बात हुई है, जिसने आदिल की प्लानिंग का कच्चा-चिट्ठा खोल दिया है। इतना ही नहीं राखी आदिल की जमानत पर भी बात करती नजर आई हैं। उनके मुताबिक, आदिल इसी महीने जेल से रिहा होने वाले हैं।

मुंब्रा में इरफान मेमन का चलता मटका जुगार ?

मुंब्रा, ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा मुंब्रा के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि मुंब्रा में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। अब तो शासन प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। लोजिंग बोर्डिंग होटल, बियर-बार, ब्यूटी पार्लर, स्पा, ऑनलाइन लाटरी, मटके जुगार क्लब व अवैध धंधो में प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही प्रशासन को.?

सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज प्रकाशित के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के वागले मुंब्रा पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के निचे बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं सहयोगियों द्वारा मनोरंजन के नाम से जुगार मुंब्रा रेल्वे स्टेशन के सामने मुंब्रा देवी रोड पर मिनी पैलेश पैलेस बार के पास सयोग हास्पिटल के निचे जुगार माफिया इरफ़ान मेमन एवं टीम द्वारा मनोरंजन के नाम पर काला-पीला (टायगर गेम), बोंल गेम, शोरट, तितली-कबूतर, चक्री गेम, अन्दर-बाहर, गुड़-गुड़ी, पताड़ा व मेंन स्टार लाइन एवं 15-20 राइटर के माध्यम से मटका जुगार (चिट्ठी) का व्यवसाय स्थानीय गुंडों को लेकर खुलेआम देर रात तक चलाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी उक्त जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। उक्त शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से ईमेल द्वारा स्थानीय मुंब्रा पुलिस स्टेशन, सहायक पुलिस आयुक्त-कलवा विभाग,पुलिस उपायुक्त-परिमंडल 01,अतिरिक्त पुलिस आयुक्त-पश्चिम प्रादेशिक विभाग एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से गरीब और दिहाड़ी मजदूरों को लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

विक्की के लिए आसान नहीं था चॉल से बॉलीवुड तक का सफर

विक्की कौशल इन दिनों जमकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी अगली फिल्म जरा हटके जरा बचके रिलीज हो रही है। इस फिल्म में अभिनेता के साथ सारा अली खान भी नजर आ रही हैं। बीते दिन इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। हल्की-फुल्की कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म के ट्रेलर को फैंस ने भी खूब पसंद किया है। विक्की कौशल का नाम आज इंडस्ट्री के बड़े फिल्म स्टार में गिना जाता है। लेकिन बहुत ही कम लोग इस बात को जानते हैं कि अभिनेता किन परिस्थितियों में पले बढ़े हैं। जरा हटके जरा बचके के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया है। जरा हटके जरा बचके के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर विक्की कौशल अपने पुराने दिनों के याद करके भावुक हो गए। उन्होंने मीडिया की तरफ से पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, मेरा जन्म मुंबई के मलाड मालवनी के कॉलोनी में हुआ था। वहां एक 10/10 का कमरा था, कल मेरा जन्मदिन है, लेकिन 35 साल पहले मैं वहां पर रहता था। विक्की कौशल ने आगे कहा, मलाड के उस छोटे से कमरे से मेरी और मेरे पेरेंट्स के सफर की शुरुआत हुई थी। हमें यहां तक पहुंचाने में मेरे पापा का काफी सहयोग रहा है, लेकिन आज भी अक्सर होता है कि पापा मम्मी एक कहानी कई बार सुनाते हैं। तो मम्मी भी हमेशा कहती हैं कि, जब तुम पैदा हुए थे, तो एक गद्दा था, एक आटे का डिब्बा और एक चूल्हा था, तो ज्यादा उड़ो मत। बता दें कि विक्की कौशल आज अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को कईं हिट फिल्में दी हैं। उरी से दर्शकों में देशभक्ति का जोश भरने वाले विक्की ने मेहनत और लगन से आज वो मुकाम हासिल कर लिया है, जिसकी हर कलाकार तमन्ना रखता है। बहुत ही कम समय में में विक्की कौशल ने हिंदी सिनेमाजगत में अपनी एक्टिंग का ऐसा जलवा दिखाया कि हर कोई उनका फैन हो गया। अभिनेता की आने वाली फिल्म जरा हटके जरा बचके है। इस फिल्म में वह सारा अली खान के साथ नजर आने वाले हैं। ट्रेलर में विक्की और सारा के बीच प्यार रोमांस लड़ाई और तलाक सबकुछ देखने को मिला है। मेकर्स को उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों की उम्मीद पर खरी उतरेगी।

आरआरआर को लेकर देसी गर्ल के खुलासे ने सबको किया हैरान

प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में 'आरआरआर' की स्क्रीनिंग की मेजबानी की थी और यहां तक कि फिल्म की तारीफ भी की। लेकिन अब अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म नहीं देखी। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों किसी न किसी बात को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती है। उनके द्वारा किए गए खुलासे सबको चौंका रहे हैं। अब एक बार फिर अभिनेत्री ने कुछ ऐसा बोला है, जिसने सबके होश उड़ा दिए हैं। प्रियंका चोपड़ा जोनास ने हाल ही में बताया कि उन्होंने ऑस्कर विजेता भारतीय फिल्म आरआरआर नहीं देखी। एसएस राजामौली निर्देशित इस फिल्म ने भारत से लेकर विदेशों तक बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था। पिछले इंटरव्यू में खुलकर आरआरआर की तारीफ करने वाली प्रियंका के इस खुलासे ने सबको हैरान कर दिया है। प्रियंका ने हाल ही में एक लाई-डिटेक्टर टेस्ट लिया था, जहां उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने आरआरआर देखी। अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा मुझे अभी समय ही नहीं मिला। मैं बहुत सारी फिल्में नहीं देखती हूं लेकिन मैं टीवी शो देखना पसंद करती हूं। प्रियंका ने अमेरिका में फिल्म की स्क्रीनिंग की मेजबानी की और यहां तक कि फिल्म की तारीफ भी की थी। प्रियंका ने अभिनेता राम चरण के बारे में भी अपने विचार साझा किए, जिनके साथ वह फिल्म जंजीर में नजर आ चुकी हैं। राम चरण की तारीफ करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने इस बात पर अपनी सहमति दी कि अभिनेता भारत के ब्रैड पिट हैं और उन्होंने कहा, राम के पास बहुत ज्यादा करिश्मा है। मैं ब्रैड पिट को नहीं जानती, मुझे नहीं पता कि वह अच्छे हैं या नहीं, लेकिन राम अच्छे हैं। इसके बाद जब प्रियंका चोपड़ा से जब यह चुनने के लिए कहा गया कि ब्रैड पिट और राम चरण में से कौन ज्यादा हैंडसम है तो अभिनेत्री ने कहा ब्रैड पिट पर मेरा बचपन से ही क्रश था इसलिए राम के लिए यह सवाल पूछना एक तरह से गलत है। इसके बाद जब देसी गर्ल से राम चरण और जूनियर एनटीआर के बीच किसी एक को चुनने के लिए कहा गया, तो वह इसका जवाब देने से कतरा गई अभिनेत्री इस समय भारत में दो सबसे पसंदीदा अभिनेताओं के बीच किसी एक को चुनकर परेशानी में नहीं पड़ना चाहती थी। उन्होंने कहा मुझे इस पर पांचवां निवेदन करना पड़ सकता है। दोनों को ही मेरे देश में बहुत प्यार किया जाता है और मुझे अब भी अक्सर वापस जाना पड़ता है। आपको बता दें, प्रियंका चोपड़ा और राम चरण जंजीर की शूटिंग के दिनों से ही काफी अच्छे दोस्त हैं। ऑस्कर के लिए जब अभिनेता अपनी पत्नी उपासना के साथ अमेरिका गए थे, तब प्रियंका के घर ही रुके थे।

ऋतिक ने सबा आजाद के लिए खरीदा घर

ऋतिक रोशन पिछले काफी समय से सबा आजाद के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दोनों को अक्सर पब्लिक प्लेस पर एकसाथ स्पॉट किया जाता है। दोनों को नीता और मुकेश अंबानी के कल्चरल इवेंट में भी साथ स्पॉट किया गया था। अब अपने स्टाइलिश लुक के चलते सुर्खियों में बने रहने वाले ऋतिक रोशन एकबार फिर से चर्चा में बने हुए हैं। अभिनेता को लेकर ऐसी खबरें हैं कि उन्होंने सबा के लिए मुंबई में 50 करोड़ का आशियाना खरीदा है। ऋतिक और सबा का रिश्ता पिछले काफी कम वक्त में मजबूत हो गया है। सोशल मीडिया पर दोनों अक्सर ही साथ ने नजर आते रहते हैं। ऋतिक और सबा कभी घूमते हुए तो कभी पब्लिकली किस करते हुए भी दिख जाते हैं। हालांकि अपने अफेयर की खबरों को दोनों ने कभी भी ऑफिशियल नहीं किया है। अब एक इंस्टाग्राम पेज पर यह खबर वायरल हो रही है कि ऋतिक ने सबा के साथ रहने के लिए 50 करोड़ का मुंबई में घर खरीदा है। हालांकि इससे पहले भी ऋतिक के सबा के लिए घर खरीदने की खबरें सामने आ चुकी हैं। जिसमें कहा गया था कि ऋतिक और सबा एकसाथ रहने के लिए शिफ्ट हो गए हैं। उस वक्त कहा जा रहा था कि ऋतिक ने सबा को 100 करोड़ का घर गिफ्ट किया था, जिसमें तीन फ्लोर हैं और वह जुहू-वर्सोवा रोड पर स्थित है। इसके बाद ऋतिक रोशन इन खबरों का खंडन भी किया था। उन्होंने कहा था कि, यह सब झूठ है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। माना कि एक पब्लिक फिगर होने के नाते मैं चर्चा का विषय रहूंगा, लेकिन अच्छा ये होगा कि हम गलत खबरों से दूरी बनाए रखें। बता दें कि ऋतिक और सबा अपने रिलेशनशिप की खबरों को लेकर ट्रोल भी होते रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें ऋतिक रोशन बहुत जल्द फाइटर में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण नजर आने वाली हैं।

'पोन्नियिन सेलवन' की निमार्ता कंपनी पर ईडी का एक्शन

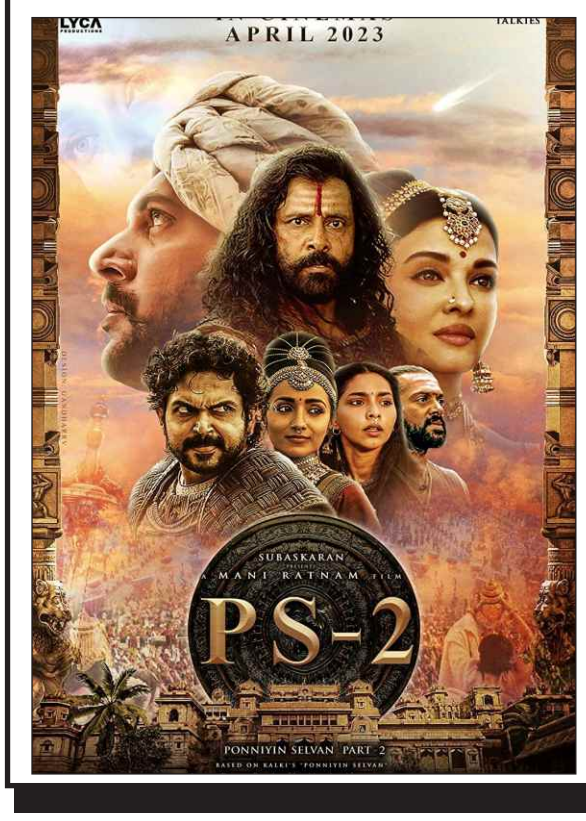

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से चेन्नई में LYCA प्रोडक्शंस के परिसरों में तलाशी ली जा रही है। बता दें कि चर्चित फिल्म पोन्नियिन सेलवन 1 और पोन्नियिन सेलवन-2 का निर्माण इसी कंपनी के बैनर तले हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा प्रोडक्शन हाउस के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किए जाने के बाद राजधानी चेन्नई में उसके करीब आठ परिसरों में तलाशी चल रही है।

लाइका प्रोडक्शंस ने कथ्थी, एनक्कू इनोरू पर इरुक्कू, कैदी नंबर 150, यमन, इप्पदाई वेल्लुम, दीया, कोल्लमावु कोकिला, चेक्का चिवंथा वानम, वडा चेन्नई सहित कई दूसरी तमिल फिल्मों का निर्माण किया है। लाइका प्रोडक्शंस ने अपनी रिलीज के समय सबसे महंगी भारतीय फिल्म 2.0 का निर्माण भी किया था। इस फिल्म को 400 से 600 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट से बनाया गया था। अपनी रिलीज के बाद यह फिल्म दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। लाइका कंपनी के पास कमल हसन अभिनती इंडियन 2 और रजनीकांत की लाल सलाम सहित हाई प्रोफाइल फिल्में भी रिलीज के लिए कतार में हैं। लाइका प्रोडक्शंस ने पहली बॉलीवुड फिल्म राम सेतु का निर्माण भी किया था,जो पिछले साल रिलीज हुई थी, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। बता दें कि पोन्नियिन सेलवन 1 एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय ने अहम भूमिका अदा की। लंबे अरसे बाद इस फिल्म के जरिए ऐश्वर्या ने बड़े पर्दे पर वापसी की। इस फिल्म की कहानी 10वीं सदी के चोल साम्राज्य के शक्ति संघर्ष पर आधारित है। इसमें पोन्नियिन सेलवन के भारतीय इतिहास के सबसे महान शासकों में से एक राजाराज चोल बनने की कहानी को दिखाया गया है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'योद्धा' की रिलीज तारीख टली

सिद्धार्थ मल्होत्रा की आने वाली फिल्म 'योद्धा' काफी समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म की रिलीज को पहले भी तीन बार टाला जा चुका है और ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स इसे एक बार फिर से आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा की आने वाली फिल्म योद्धा काफी समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म की रिलीज को पहले भी तीन बार टाला जा चुका है और ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स इसे एक बार फिर से आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 15 सितंबर को रिलीज होने वाली फिल्म योद्धा की टक्कर शाहरुख खान स्टारर जवान से होगी, जो इस साल 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। जवान के कथित तौर पर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की उम्मीद है और यह आसपास रिलीज होने वाली हर फिल्म के कारोबार को खा जाएगी। योद्धा के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। फिल्म योद्धा पहले नवंबर 2022 में बड़े पर्दे पर आने वाली थी और फिर सात जुलाई को रिलीज करने का फैसला किया गया था। लेकिन बाद में इसे निर्माताओं ने 15 सितंबर को रिलीज करने की घोषणा की थी। उम्मीद है कि अब मेकर्स जल्द ही फिल्म की रिलीज की नई तारीख का ऐलान करेंगे। माना जा रहा है कि निर्माता अक्टूबर, नवंबर और यहां तक कि एक दिसंबर को फिल्म को रिलीज करने का विचार बना रहे हैं। करण जौहर द्वारा निर्मित योद्धा में दिशा पटानी और राशि खन्ना भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि योद्धा में सिद्धार्थ रॉ के एक एजेंट की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी एक जहाज के क्रैश से जुड़ी है।

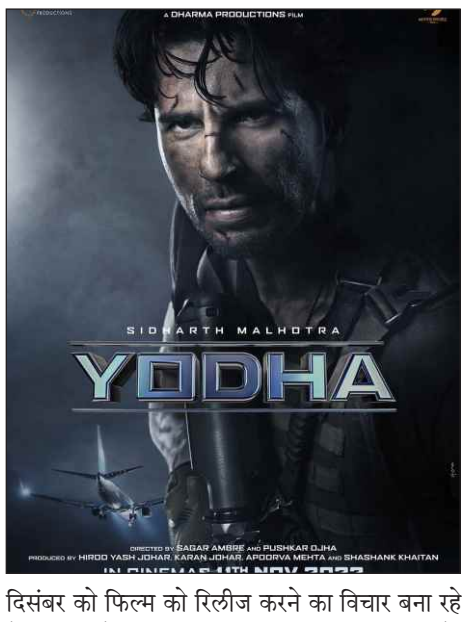

बरेली मेयर चुनाव में विपक्ष की करारी हार पार्टी नेताओं पर लगाया हराने का आरोप

बरेली: मेयर चुनाव में 56 हजार से ज्यादा वोटों के रिकॉर्ड अंतर से हारे सपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. आईएस तोमर का कहना है कि एक जमाने में बूथ कैप्चरिंग होती थी तो सबको दिखती थी लेकिन ईवीएम की सेटिंग बदलकर आसानी से यह काम किया जा सकता है। उन्होंने ईवीएम पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यह कैसे हो सकता है कि जिन इलाकों में पिछले चुनाव में उन्हें भरपूर वोट मिला, इस बार वहां उन्हें कोई वोट न दे। डॉ. तोमर ने सवाल किया कि ऐसा कैसे हो सकता है कि शुरू से आखिर तक भाजपा और सपा प्रत्याशी के वोटों में दुगने का अंतर रहे। बोले, मतगणना का बूथवार रिकार्ड अभी मिला नहीं है। रिकॉर्ड मिलने के बाद उसकी समीक्षा कर बताएंगे कि कहां- कहां क्या किया गया है। डॉ. तोमर ने कहा कि ईवीएम के बरेली में आने के बाद पहले दिन ही उनमें गड़बड़ियां उजागर हो गई थी। 16 लोगों के नाम होने के बाद भी ईवीएम में या तो सिर्फ भाजपा के नाम वाले बटन दब रहे थे या फिर कोई भी बटन दबाओ तो भाजपा को वोट जा रहा था। प्रेक्षक के सामने भी

अचानक चेक करने पर तीन में से दो ईवीएम में यह गड़बड़ी निकली थी। डॉ. तोमर ने कहा कि वह हार का कारण वोट न मिलना नहीं बल्कि ईवीएम की सेटिंग को मानते हैं । निष्पक्ष चुनाव होता तो तस्वीर उलट होती। जनता भ्रष्टाचार से नाखुश थी और बदलाव चाहती थी लेकिन नतीजा जनता के मूड के विपरीत आया है। यह परिणाम पहले से तय था। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस का महानगर संगठन कमजोर न होता तो नगर निगम चुनाव में पार्टी और मजबूत स्थिति में होती।

मोदी के दौरे से पहले आई धार्मिक हिंसा पर अमरीका की सालाना रिपोर्ट

इस महीने की 22 तारीख को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिंद महासागर क्षेत्र के देश पापुआ न्यू गिनी का दौरा करेंगे। इस दौरान पीएम इंडिया पेसिफिक आईलैंड कॉरपोरेशन समिट में हिस्सा लेंगे। दरअसल भारत, प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इस दौरे के ठीक बाद पीएम मोदी जून महीने में अमरीका की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। यह दौरा भारत-अमरीका के रिश्ते को और मजबूत करने के लिए काफी अहम माना जा रहा है। लेकिन इससे पहले अमेरिका के सालाना रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2022 में भारत में मुसलमानों और ईसाइयों समेत सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। इस रिपोर्ट में साफ-साफ बताया गया है कि भारत में साल 2022 में अल्पसंख्यकों पर हिंसा में काफी बढ़ोतरी हुई है। भारत सरकार को इसे कम करने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। इस रिपोर्ट को जारी करने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि भारत सरकार को ऐसे हमलों की निंदा करनी चाहिए।इस रिपोर्ट में भारत में मुसलमानों और ईसाइयों सहित सभी धार्मिक और संख्या को पर हम लोग का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट जारी करने वाली संस्था का कहना है कि वो पूरे विश्व भर में इस तरह का

साहसिक काम करते हैं, ताकि समाज में सभी की भागीदारी समान रूप से हो।कोई वंचित न रह जाए और जिन्हें सताया या दबाया जा रहा है, उनके हक का आवाज को उठाते हैं। ताकि आने वाले दिनों में उनकी स्थिति बेहतर हो। भारत में भी ऐसी ही समरसता आए इसीलिए हम उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार इन हमलों की सार्वजनिक रूप से निंदा करें। अमरीका भी प्रशांत महासागर के इन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहा है। इसी के तहत अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी पापुआ न्यू गिनी का दौरा करेंगे

कारोबारी के कर्मियों से दो करोड़ की लूट

दिल्ली के हौजखास में बुधवार शाम स्कूटी सवार बदमाशों ने हीरा कारोबारी के कर्मचारियों से दो करोड़ के जेवर लूट लिए। रामजन्म सैफी उर्फ दिलीप (35) और साथी रामू कुमार (28) करोल बाग से जेवर लेकर दक्षिणी दिल्ली आए थे। यहां कई पार्टी को जेवर दिखाने थे। कालकाजी के एक जूलर से मिलने के बाद में दोनों मालवीय नगर जाने लगे। बैग में हीरे व सोने के 181 जेवर थे। रामजन्म के बयान पर पुलिस ने लूट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस, स्पेशल स्टाफ, एएटीएस के अलावा अपराध शाखा भी मामले की जांच में जुटी है। अत्पः हीरा कारोबारी के कर्मियों से दो करोड़ की लूट, पार्टी को जेवर दिखाने जाते समय बदमाशों ने दिया बुधवार शाम स्कूटी सवार बदमाशों ने हीरा कारोबारी के कर्मचारियों से दो करोड़ के जेवर लूट लिए। रामजन्म सैफी उर्फ दिलीप (35) और साथी रामू कुमार (28) करोल बाग से जेवर लेकर दक्षिणी दिल्ली आए थे। यहां कई पार्टी को जेवर दिखाने थे। दिल्ली के हौजखास में बुधवार शाम स्कूटी सवार बदमाशों ने हीरा कारोबारी के कर्मचारियों से दो करोड़ के जेवर लूट लिए। रामजन्म सैफी उर्फ दिलीप (35) और साथी रामू कुमार (28) करोल बाग से जेवर लेकर दक्षिणी दिल्ली आए थे। यहां कई पार्टी को जेवर दिखाने थे। कालकाजी के एक जूलर से मिलने के बाद में दोनों मालवीय नगर जाने लगे।व सोने के 181 जेवर थे। रामजन्म के बयान पर पुलिस ने लूट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस, स्पेशल स्टाफ, एएटीएस के अलावा अपराध शाखा भी मामले की जांच में जुटी है।

देश को जल्द मिल सकता है नया संसद भवन

दिल्ली, देश को जल्द ही नया संसद भवन मिलने वाला है। इसी महीने संसद भवन का उद्घाटन हो सकता है। सूत्रों की मानें तो नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। नए संसद भवन का कामकाज लगभग पूरा हो चुका है। बता दें कि 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी ने पहले कार्यकाल की शपथ ली थी, फिर उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ 30 मई को ली थी। ऐसे में उनके कुल कार्यकाल के नौ साल पूरे होने पर नए संसद भवन का बड़ा भव्य उद्घाटन हो सकता है। इसके लिए सुरक्षा के कड़े और नए इंतज़ाम किए जाएंगे। इससे पहले मार्च महीने में पीएम मोदी ने अचानक नए संसद भवन का मुआयना किया था और कामकाज देखा था। उन्होंने यहां एक घंटे से अधिक समय तक हर एक चीज़ का ब्योरा लिया उनके साथ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी मौजुद रहे थे। पीएम मोदी ने 10 दिसंबर 2020 को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी और गुरुवार को पीएम नए संसद भवन का काम देखने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संसद के दोनों सदनों में मिलने वाली सुविधाओं को भी देखा। पीएम ने निर्माण के काम में लगे श्रमिकों से भी बातचीत की। जानकारी के मुताबिक, यह कॉन्ट्रैक्ट टाटा प्रोजेक्ट्स को 2020 में 861.9 करोड़ रुपये में दिया गया था। जिसकी बाद में लागत करीब 1,200 करोड़ रुपए तक बढ़ा दी गई थी। नए संसद भवन में लोकसभा फ्लोर का प्लान राष्ट्रीय पक्षी मोर की थीम पर रखा गया है। नया भवन पुराने संसद भवन से 17,000 वर्ग मीटर बड़ा है। इतना ही नहीं ये भवन पूर्ण रूप से भूकंपरोधी है, जिसका डिजाइन HCP डिजाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने तैयार किया

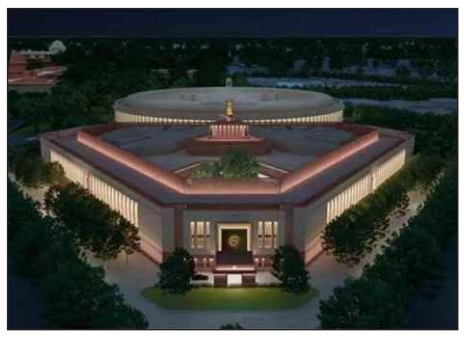

है, इसके आर्किटेक्ट बिमल पटेल हैं। संसद के नए भवन में एक बार में 1200 से ज्यादा सांसदों के बैठने की सुविधा दी गई। इसमें 888 सांसद लोकसभा में और 384 सांसद राज्यसभा में बैठ सकते हैं। नए भवन में एक सुंदर संविधान कक्ष भी बनाया गया है। यह नया संसद भवन 13 एकड़ में बना है।

ये राष्ट्रपति भवन से कुछ ही दूरी पर स्थित है। सेंट्रल विस्टा रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत बने संसद में चार मंजिला इमारत है जिसमें लाउंज, लाइब्रेरी, कमेटी हॉल, कैंटीन और पार्किंग की सुविधा भी दी गई है। दरअसल देश का मौजूदा संसद भवन को 95 साल पहले 1927 में बनाया गया था और मार्च 2020 में सरकार ने संसद को बताया था कि पुरानी बिल्डिंग ओवर यूटिलाइज्ड हो चुकी है जिसकी उसकी स्थिति भी धीरे धीरे बिगड़ रह रही है। नया संसद भवन का निर्माण इसलिए भी किया गया क्योंकि लोकसभा सीटों के नए सिरे से परिसीमन के बाद जो सीटें बढ़ेंगी, उनके सांसदों के बैठने के लिए पुरानी बिल्डिंग में पर्याप्त सीट नहीं है। जिसके चलते संसद भवन की बिल्डिंग बनाई जा रही है।

शराब घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को दिये निर्देश

रायपुर, छत्तीसगढ़ सरकार के प्रवर्तन निदेशालय पर बुरा बर्ताव करने और राज्य में कथित तौर पर 2,000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को फंसाने की कोशिश करने का आरोप लगाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जांच एजेंसी से डर का माहौल पैदा न करने को कहा। राज्य सरकार ने जस्टिस एस के कौल और जस्टिस ए अमानुल्ला की पीठ के समक्ष आरोप लगाया कि राज्य के आबकारी विभाग के कई अधिकारियों ने शिकायत की है कि ईडी उन्हें तथा उनके परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार करने की धमकी दे रही है और मुख्यमंत्री को फंसाने की कोशिश कर रही है। सरकार ने दावा किया कि अधिकारियों ने कहा है कि वे विभाग में काम नहीं करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा, ईडी बुरा बर्ताव कर रही है। वे आबकारी अधिकारियों को धमकी दे रहे हैं। यह हैरान करने वाली स्थिति है। अब चुनाव आ रहे हैं और इसलिए यह हो रहा है। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने आरोपों का विरोध किया और कहा कि जांच एजेंसी राज्य में एक घोटाले की जांच कर रही है। इसपर पीठ ने कहा, जब आप इस तरीके से बर्ताव करते हैं, तो एक जायज वजह भी संदिग्ध हो जाती है। डर का माहौल पैदा न करें। पिछले महीने छत्तीसगढ़ सरकार ने धनशोधन निवारण अधिनियम के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और आरोप लगाया था कि केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल गैर-भाजपा सरकार को डराने, परेशान करने तथा सामान्य कामकाज को बाधित करने के लिए किया जा रहा है।

रिवाल्वर रखकर धमकी व छेड़खानी टीचर के खिलाफ मुकदमे के आदेश

आगरा, आगरा में शमशाबाद के गांव लहरा प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक आशुतोष शर्मा के खिलाफ मंगलवार को पुलिस आयुक्त प्रीतिंदर सिंह ने अभियोग दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शिक्षक पर क्लास के अंदर छात्राओं से गंदी बात और छेड़छाड़ करने का आरोप है। जिसे लेकर छात्राओं उनके स्वजन में आक्रोश था। छात्राओं ने स्कूल जाना बंद कर रखा था। छात्राओं ग्रामीणों का आरोप था कि थाना पुलिस ने उनकी सुनवाई नहीं की। मंगलवार को पीड़ित आधा दर्जन छात्राएं उनके स्वजन और सामाजिक संगठन के लोग पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे। छात्राओं ने बताया कि शिक्षक कई महीने से उनके साथ छेड़छाड़ कर रहा था। जिसके चलते वह दहशत में थी। कक्षा में जाने से कतरा ने लगी थी। उसकी हरकतें बढ़ गई तो उन्हें स्वजन को इसकी जानकारी देनी पड़ी। जिसके बाद से स्वजन आरोपी शिक्षक को वहां से हटाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि ऐसे शिक्षक के रहते वह अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज सकते। छात्राएं उनके स्वजन और सामाजिक संगठन के लोग 16 मई को पुलिस आयुक्त के कार्यालय पहुंचे। छात्राओं ने बताया कि शिक्षक उनका दुपट्टा खींच लेता था। उनकी जेबों में हाथ डाल देता था। पीठ पर हाथ मारता था। जिसके चलते वह कक्षा में जाने से भी घबराने लगी थी। शिक्षक अपने साथ रिवाल्वर भी रखता था। छात्राओं का आरोप है कि कई बार उन्हें रिवाल्वर दिखाकर धमकी भी दे चुका था। बच्चियां कलक्ट्रेट में डीएम नवनीत सिंह चहल से भी मिली हैं और उन्होंने शिक्षक की शिकायत की है। डीएम को बताया कि शिक्षक

उनसे अश्लील हरकतें करता हैं। पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने जांच कराकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को ग्रामीण और अभिभावक स्कूल पहुंचे थे। वहां पर शिक्षक ने महिलाओं के पैर छूकर मामला रफा-दफा करने का प्रयास किया। महिलाओं का कहना था कि शिक्षक पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं करके माफी मांग चुका है। इस बार उसे माफ नहीं करना चाहती। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहती हैं। जिससे कि बेटियां निडर होकर स्कूल जा सकें और अपना भविष्य संवार सकें। पुलिस आयुक्त प्रीतिंदर सिंह ने बताया, मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अभियोग दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित छात्राओं के बयान दर्ज कराए जाएंगे.

रजिस्ट्रेशन के बिना प्लॉट बेच रहे तो होगी एफआईआर

दिल्ली, आम लोगों को उनके मोबाइल नंबर पर कम कीमत में प्लॉट बेचने वाले एसएमएस करने वालों पर अब रेरा ने सख्ती करना शुरू कर दिया है। ऐसे सभी नंबरों की पहचान कर उन पर एफआईआर करने की तैयारी की जा रही है। रेरा के नियम के अनुसार 5 हजार स्कवेयर फीट या आठ मकान से ज्यादा बनाकर बेचने वाले बिल्डर या कॉलोनाइजर को रेरा में पंजीयन कराना अनिवार्य है। बिना पंजीयन के एकड़ों जमीन में प्लाटिंग करने वालों पर कार्रवाई तय है। खासतौर पर इस तरह के मैसेज या चौक-चौराहों पर पंपलेट चस्पा करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। रियल एस्टेट (रेग्युलेशन एंड डेवेलपमेंट) एक्ट 2016 (रेरा) एक कानून है, जिसे भारतीय संसद ने पास किया था. रेरा का मकसद रियल एस्टेट सेक्टर में ग्राहकों का निवेश बढ़ाना और उनके हितों की रक्षा करना है. 10 मार्च 2016 को राज्यसभा ने रेरा बिल को पास किया था. इसके बाद 15 मार्च 2016 को लोकसभा ने इसे पास किया. 1 मई 2016 को इसे लागू किया गया. 92 में से 59 सेक्शन्स 1 मई 2016 को नोटिफाई किए गए थे और बाकी के प्रावधान 1 मई 2017 से लागू कर दिए गए थे. इस कानून के तहत, अगले 6 महीने में केंद्रीय कानून के मॉडल नियमों के आधार पर केंद्र और राज्य सरकारों को अपने नियम नोटिफाई करने हैं. रेरा (रियल एस्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी) की स्थापना रियल एस्टेट (रेग्युलेशन ऐंड डेवलपमेंट) अधिनियम, 2016 के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र को विनियमित (रेग्युलेट) करना और घर खरीदारों की समस्याओं का समाधान करना था। इसके उद्देश्य इस प्रकार हैंः आवंटियों के हितों की रक्षा और उनकी जिम्मेदारी सुनिश्चित करना. पारदर्शिता सुनिश्चित करना और धोखाधड़ी के मामलों को घटाना. पूरे भारत में मानकीकरण को लागू करना और व्यावसायिकता लाना. घर खरीदारों और विक्रेताओं के बीच सही जानकारी का प्रसार करना. बिल्डरों और निवेशकों दोनों पर अधिक से अधिक जिम्मेदारियां डालना. रियल एस्टेट सेक्टर की विश्वसनीयता बढ़ाने के साथ-साथ इस तरह निवेशकों के बीच विश्वास बढ़ाना. काफी वक्त से घर खरीददार इस बात की शिकायत कर रहे थे कि रियल एस्टेट की लेनदेन एकतरफा और ज्यादातर डिवेलपर्स के हक में थीं। रेरा और सरकार के मॉडल

कोड का मकसद मुख्य बाजार में विक्रेता और संपत्ति के खरीददार के बीच न्यायसंगत और सही लेनदेन तय करना है। उम्मीद की जा रही है कि रेरा बेहतर जवाबदेही और पारदर्शिता लाकर रियल एस्टेट की खरीद को आसान बनाएगा। साथ ही राज्यों के प्रावधान केंद्रीय कानून की भावना को कमजोर नहीं करेंगे। रेरा भारतीय रियल एस्टेट इंडस्ट्री का पहला रेगुलेटर है। रियल एस्टेट एक्ट के तहत यह अनिवार्य किया गया कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने रेगुलेटर और नियमों का गठन करेंगे, जिसके मुताबिक कामकाज होगा। राजस्थान रेरा के साथ रियल एस्टेट प्रोजेक्ट को पंजीकृत नहीं करने पर क्या जुर्माना है? यदि कोई रियल एस्टेट प्रमोटर रेरा राजस्थान अधिनियम के अनुसार पंजीकरण करने में विफल रहता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो प्रस्तावित रियल एस्टेट परियोजना की अनुमानित लागत का 10 तक हो सकता है। यदि उल्लंघन जारी रहता है, तो प्रमोटर को तीन साल तक की जेल या जुर्माना हो सकता है, जो परियोजना की अनुमानित लागत का 10 प्रतिशत तक या दोनों के साथ हो सकता है। क्वांट के बाद दूसरे नंबर पर यूनियन डायरेक्ट फंड का नाम आता है जिसने अपने निवेशकों को अप्रैल में 5.71 प्रतिशत का रिटर्न कमा कर दिया था। इस फंड के आधिकारीक वेबसाइट के अनुसार इस फंड को 10 जून 2014 को लॉन्च किया गया था। 5.52 फीसदी के साथ एडलवाइस फंड रिटर्न के मामले में तीसरे नंबर पर था। इसके आधिकारीक वेबसाइट के अनुसार इस फंड को 7 फरवरी 2019 को लॉन्च किया गया था। आदित्य बिड़ला का यह प्लान निवेशको को 5.46 प्रतिशत का रिटर्न दिया था। इसे 1 जनवरी 2013 को लॉन्च किया गया था।

मलिक को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

मुंबई, सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर एनसीपी नेता नवाब मलिक की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने जुलाई के दूसरे हफ्ते तक सुनवाई को टाल दिया है। कोर्ट का कहना है कि इस मामले पर बॉम्बे हाईकोर्ट सुनवाई करने वाला है, ऐसे में उनके कदम का इंतजार करें। इससे पहले भी एनसीपी नेता को जमानत पर राहत नहीं मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल के आधार पर जमानत याचिका पर सुनवाई से इंकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बॉम्बे हाईकोर्ट मामले में सुनवाई करेगा। अगर हाईकोर्ट मामले में सुनवाई नहीं करता तो याचिकाकर्ता फिर से आ सकता है। फिलहाल हाईकोर्ट को ही जमानत पर फैसला लेने दें। मलिक की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि ट्रायल कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए छह महीने का समय लिया है। अब हाईकोर्ट ने मामले को 2 मई के लिए पोस्ट कर दिया है। मलिक पिछले डेढ़ साल से जेल में हैं और उनकी एक किडनी फेल हो चुकी है।एनसीपी नेता नवाब मलिक ने स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की है। मलिक ने याचिका में कहा है कि उनकी एक किडनी खराब है और दूसरी किडनी भी बहुत कम काम कर रही है। एक-एक जांच की अनुमति अदालत से लेने में दो-तीन सप्ताह लग जाते हैं। कुर्ला में जमीन खरीद फरोख्त के एक मामले में पैसे के लेन देन के आरोपों पर ईडी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसी मामले में नवाब मलिक को गिरफ्तार किया गया है, और जेल में बंद हैं।

दिल्ली मेट्रो में अश्लीलता? तैनात किए जाएंगे सिक्योरिटी कमांडो

नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो ट्रेन के अंदर लोगों द्वारा वीडियो बनाने और उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की घटनाओं के कारण दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर सुरक्षा कर्मियों और सादी वर्दी में कर्मियों को नियुक्त कर गश्त बढ़ाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर प्रसारित हाल के एक वीडियो में एक जोड़ा मेट्रो कोच की फर्श पर बैठकर एक दूसरे को कथित रूप से चुंबन करते नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद डीएमआरसी ने यात्रियों से इस तरह की अश्लील गतिविधियों में शामिल होने से बचने की अपील की। सूत्रों के मुताबिक डीएमआरसी ने हाल में दिल्ली पुलिस को लिखा कि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए मेट्रो स्टेशनों और कोच के अंदर सुरक्षाकर्मियों की गश्त बढ़ाई जाए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा हाल में इस तरह के वीडियो के प्रकाश में आने के बाद दिल्ली मेट्रो कई उपायों को लागू करके मेट्रो में सुरक्षा और निगरानी में सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा इसी तरह के एक उपाय के तहत वर्दीधारी पुलिसकर्मी और सादी वर्दी में डीएमआरसी के कर्मचारी ट्रेनों में गश्त लगाएंगे। अधिकारी ने कहा कि कुछ पुरानी ट्रेनों को छोड़कर मेट्रो की सभी लाइनों में कोच में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। किसी भी तरह की आपत्तिजनक गतिविधि की निगरानी के लिए वर्तमान में जारी आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के दौरान इन कोच में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा इससे महिलाओं समेत यात्रियों को होने वाले खतरे और असुविधा को दूर किया जा सकेगा। हाल में मेट्रो कोच में किसिंग करते एक युगल का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने डीएमआरसी से इस मामले में कार्रवाई करने के आग्रह किया था तथा कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इस तरह के वीडियो को फिल्माने पर सवाल भी उठाया था। इसके बाद डीएमआरसी ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे इस तरह की घटनाओं की जानकारी मौके पर मौजूद मेट्रो कर्मचारियों/सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) को तुरंत दें ताकि उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

हिंसा प्रभावित अकोला में इंटरनेट सेवाएं बहाल

मुंबई, महाराष्ट्र के हिंसा प्रभावित अकोला शहर में मंगलवार को इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गईं और दुकानें खुल गईं, लेकिन फिलहाल चुनिंदा इलाकों में कर्फ्यू जारी रहेगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। विवादित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पुराने शहर के संवेदनशील इलाके में 13 मई की रात भड़की हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने अब तक 115 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने पुराने शहर और रामदास पेठ पुलिस थानों में छह मामले दर्ज किए। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हुई है तथा आठ अन्य लोग घायल हुए हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) संजय सक्सेना ने मंगलवार को पुराने शहर और डाबकी रोड के दंगा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर उनका निरीक्षण किया। उन्होंने आम नागरिकों से बातचीत भी की। अकोला (शहर) के पुलिस अधीक्षक संदीप घुगे ने संवाददाताओं से कहा, हिंसा के कारण बंद हुई दुकानें आज फिर से खुल गईं। इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। हालांकि पुराने शहर और डाबकी रोड पुलिस थानों की सीमा के अंतर्गत आने वाले इलाकों में रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा।

घर में तुलसी पौधा लगाते समय वास्तु नियमों का जरूर करें पालन

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। आयुर्वेद में भी तुलसी को शीर्ष स्थान प्राप्त है। इसके पत्ते का उपयोग मौसमी बीमारियों को दूर करने में किया जाता है। विशेषज्ञों की मानें तो तुलसी के पत्ते का काढ़ा बनाकर सेवन करने से सर्दी, खांसी और जुकाम में बहुत जल्द आराम मिलता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि जगत के पालनहार भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है। अतः भगवान विष्णु संग तुलसी जी की भी पूजा-उपासना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि रोजाना तुलसी जी की पूजा-आरती करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधकों पर अवश्य बरसती है। इससे घर में सुख और समृद्धि आती है। हालांकि, घर में तुलसी लगाते समय वास्तु नियमों का पालन जरूरी है। इससे घर में सुख और समृद्धि बनी रहती है। आइए, इन नियमों को जानते हैं वास्तु जानकारों की मानें तो तुलसी का पौधा घर की उत्तर दिशा में लगाएं। अगर उत्तर दिशा में पर्याप्त जगह नहीं है, तो पूर्व दिशा में लगाएं। वास्तु शास्त्र में निहित है कि उत्तर और पूर्व दिशा में देवी-देवता निवास करते हैं। अतः इन दिशाओं में तुलसी का पौधा लगाना शुभ होता है। इससे घर में सुख और समृद्धि आती है। रोजाना स्नान-ध्यान के बाद तुलसी जी को जल का अर्घ्य दें। साथ ही संध्याकाल में दीपक जलाकर आरती करें। इससे घर में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि तुलसी के पत्ते को रात में नहीं तोड़ना चाहिए। इसके अलावा एकादशी तिथि पर भी तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए। अगर एकादशी तिथि को तुलसी दल तोड़ते हैं तो जगत के पालनहार भगवान विष्णु अप्रसन्न होते हैं। वास्तु शास्त्र की मानें तो घर के आंगन में तुलसी का पौधा लगाना बेहद शुभ होता है। आप चाहे तो घर के मुख्य द्वार पर भी गमले में तुलसी के पौधे लगा सकते हैं। तुलसी के पौधे ऊंचे और पवित्र स्थानों पर लगाएं।

माता-पिता बरतें सावधानियां
बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है 'लू'

बच्चों में तापमान परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता अधिक होती है और वे जल्दी से डिहाइड्रेट भी होने लगते हैं। इसके बाद उन्हें स्कूल जाना और बाहर खेलने जैसी आम दिनचर्या करने में भी समस्या आने लगती है। गर्मियों में खुद को हाइड्रेटेड रखना और शरीर के अंदर पानी की कमी न होने देना यह सबसे ज़रूरी होता है।

देश में गर्मी का सितम शुरू हो गया है और कई राज्य लू की चपेट में हैं। कुछ जगहों पर तो पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तर भारत में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है, वहीं दक्षिण के राज्यों में तापमान 42-43 डिग्री तक पहुंच गया है। यहां तक की देश के कई राज्यों में लू का ऑरेंज अलर्ट भी जारी हो गया है ।गर्मी का मौसम अपने साथ लू के थपेड़ों को भी लेकर आता है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इससे बड़े तो क्या बच्चे भी बेहाल और परेशान रहते हैं। इस दौरान बच्चों के बीमार पड़ने की संभावना काफी बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए ही होता है क्योंकि बच्चों में तापमान परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता अधिक होती है और वे जल्दी से डिहाइड्रेट भी होने लगते हैं। इसके बाद उन्हें स्कूल जाना और बाहर खेलने जैसी आम दिनचर्या करने में भी समस्या आने लगती है। अगर आपके बच्चे भी गर्मी के मौसम में बहुत जल्दी हीटवेव का शिकार हो जाते हैं, तो हम कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप उनकी बेहतर देखभाल कर सकते हैं।

बच्चों को हीटवेव से बचाने के लिए टिप्स

हाइड्रेशनः-बच्चों को लू से बचाने के लिए हाइड्रेटेडशन सबसे पहली चीज है। वयस्कों की तुलना में बच्चे ज्यादा जल्दी डिहाइड्रेट हो जाते हैं। इसलिए ध्यान दें कि आपका बच्चा भरपूर मात्रा में पानी का सेवन कर रहा है। चाहे आपका बच्चा छह महीने का हो या फिर दस वर्ष का। स्तनपान कराने से लेकर पानी पीने तक ध्यान दें कि वे भरपूर मात्रा में लिक्विड ले रहे हैं।

सही कपड़े पहनाएंः- गर्म हवा के थपेड़ों के दौरान बच्चों को सही कपड़े पहनाना महत्वपूर्ण है। इस दौरान कॉटन जैसे नेचुरल फैब्रिक चुनें जो हल्के, ढीले-ढाले और सांस लेने वाले हों। सिंथेटिक फैब्रिक से दूर रहें क्योंकि इससे त्वचा ठीक तरह से सांस नहीं ले पाती और गर्मी के मौसम में काफी असहजता हो जाती है। साथ ही कॉटन के कपड़े पसीने को सोखनें में मदद करते हैं, जिससे शरीर का उचित तापमान बना रहता है।

कमरे का तापमानः- बच्चे को हीटवेव से बचाने में कमरे का तापमान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए कोशिश करें कि कमरे का तापमान ठंडा रखें। इसके लिए केवर पंखे पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, एयर कंडीशनर, कूलर या ह्यूमिडिफायर का प्रयोग करें। बच्चे को कभी भी गर्म कार में अकेला न छोड़ें, भले ही वह थोड़े समय के लिए ही क्यों न हो। कार के अंदर का तापमान तेजी से बढ़ सकता है, जो उनके लिए खतरनाक या घातक भी हो सकता है।

सन प्रोटेक्शनः- बच्चों की त्वचा नाजुक और संवेदनशील होती है, जो हीटवेव से आसानी से जल सकती है। इसलिए उनके हाथों, चेहरे, गर्दन और किसी भी अन्य खुले भाग पर कम से कम एसपीएफ 30 वाला सनस्क्रीन लगाएं। बच्चे के लिए सही सनस्क्रीन चुनने के लिए त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लें। सूरज की किरणों से उनकी आंखों और चेहरे को बचाने के लिए टोपी और धूप के चश्मे का भी इस्तेमाल करें।

कोल्ड शावरः- कोल्ड शावर बच्चों को हीटवेव से बचाने में प्रभावी ढंग से मदद कर सकता है। इससे बच्चे को ठंडक और चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलेगी। लेकिन ध्यान दें कि बहुत अधिक ठंडे पानी का इस्तेमाल करने से बचें क्योंकि ये उनके शरीर को कंपकंपी दे सकता है।

50 सिगरेट से भी ज्यादा सेहत के लिए हानिकारक है मॉस्किटो कॉइल

मच्छरों के कारण डेंगू से लेकर मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा रहता है जो गंभीर स्थितियों में जानलेवा भी हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इन समस्याओं से बचे रहने के लिए आवश्यक है कि आप मच्छरों के काटने से बचें। इसके लिए मच्छरदानी के प्रयोग को सबसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है, मच्छरों को भगाने के लिए स्प्रे और मॉस्किटो कॉइल भी काफी चलन में हैं। पर क्या आप जानते हैं कि ये कॉइल आपकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बंद कमरे में कॉइल जलाने से इनडोर प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है जो समय के साथ क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के साथ अस्थमा जैसी सांस की समस्याओं को ट्रिगर करने का कारण बन सकती है। इन क्वाइल्स को जलने से निकलने वाले धुंए में कई हानिकारक तत्व होते हैं जो शरीर में पहुंचकर गंभीर रोगों का कारण बन सकते हैं।

हंसने जितना ही फायदेमंद है रोना
जुड़े हैं सेहत के फायदे !

रोना मानव द्वारा अनुभव की जाने वाली एक भावना है। भावनाओं को उमड़ने देना यानी ज़ाहिर करना बहुत ज़रूरी होता है क्योंकि इसके कई सारे फायदे होते हैं। रोना आमतौर पर उदासी से जुड़ा होता है। मानव को खुशी, क्रोध और हताशा या अन्य भावनाओं में भी रोना आ सकता है। रोने को कई लोग कमजोरी की निशानी मानते हैं लेकिन ये एक ऐसा इमोशन है, जो आपके शरीर और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद है। जी हां, अगर आप ये सुनकर चौंक गए, तो आज के लेख में हम रोने के फायदों के बारे में ही बात करने वाले हैं। रोने के फायदों को जानने से पहले कितने तरह का होता है रोना, आइए जान लेते हैं पहले इसके बारे में।

1. इमोशनलः जब तनाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, तो ऐसे में आंखों से आंसू निकलता है। इससे भी फायदे होते हैं।

2. बसलः टियर डक्ट से लगातार आंसू निकलते रहते हैं, जिनमें प्रोटीन-रिच एंटीबैक्टीरियल लिक्विड होता है। ये पलक झपकने में मदद करते हैं।

3. रिफ्लेक्सः रिफ्लेक्स कुछ समय में होता है, जैसे- हवा, धुआं या फिर प्याज काटने की वजह से। इस दौरान आंखों से आंसू निकलने की वजह से आंखें सुरक्षित रहती हैं।

रोने से सेहत को होने वाले फायदे

प्राइमस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार और गेरियाट्रिक चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. विजय कुमार गुर्जर ने बताया कि रोने से भावनात्मक तनाव कम हो सकता है और आराम मिल सकता है। जब हम रोते हैं, तो स्ट्रेस हार्मोन रिलीज़ होता है और यही तनाव कम करने का काम करता है।

मूड अच्छा होता हैः रोने से हमारा मूड अच्छा हो सकता है और हमें बेहतर महसूस करने में मदद मिलती है। आंसुओं में एंडोर्फिन नामक प्राकृतिक दर्द निवारक होता हैं, जो हमें शांत और ज्यादा आरामदायक महसूस कराने में मदद कर सकता हैं।

शारीरिक रूप से फायदेमंदः रोने से शारीरिक तौर पर भी लाभ मिल सकता हैं, जैसे इससे आंखों को चिकनाई मिल सकती है और संक्रमण को रोका जा सकता है। आंसुओं में लाइसोजाइम होता है। लाइसोजाइम एक एंटी बैक्टीरियल एजेंट है जो संक्रमण से बचाने में मदद कर सकता है।

चिकन लवर्स दें ध्यान !
मसालों के बजाय उबालकर खाएं तो मिलेगा दोगुना फायदा

आपने चिकन खाने के फायदों के बारे में अनेकों बार सुना होगा। दुनिया भर में, चिकन सबसे लोकप्रिय पोल्ट्री है और मांसाहारी लोग पूरी तरह से इसपर निर्भर हैं। चिकन का इस्तेमाल कर के कई तरह के डिशेज बनाए जाते हैं, जैसे स्टू, सूप, बार्बेक्यू और करी आदि। लेकिन मिर्च मसालों के साथ पकाने के अलावा, चिकन को उबालकर सेवन करने पर कई तरह के स्वास्थ्य लाभ होते हैं। चिकन को अगर तले हुए या ज्यादा तेल में पकाया जाए तो यह हमारे शरीर के लिए हानिकारक भी हो सकता है। इसलिए चिकन से बेहतरीन पोषण पाने के लिए इसे उबाल कर खाना एक अच्छा विकल्प है। तो चलिए जानते हैं कि उबले हुए चिकन खाने से हमारे शरीर को क्या फायदे मिल सकते हैं। चिकन करी और फ्राइड चिकन जैसे अन्य डिशेज पचाने में मुश्किल होते हैं। साथ ही इन्हें बनाने में तेल और मसालों का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है, जो उन्हें फैटी और हेवी बनाते हैं। वहीं उबला हुआ चिकन हल्का होता है और इसे आसानी से पचाया जा सकता है। अपने आहार में शामिल करना चाहिए। प्रोटीन के सेवन के कई फायदे हैं जैसे स्वस्थ वजन बनाए रखना, बिना वक्त की भूख को कंट्रोल करना और शरीर को एनर्जी देना। अब आप जान चुके हैं कि चिकन प्रोटीन का एक बड़ा स्रोत है और प्रोटीन हड्डियों की मजबूती में सुधार करने में काफी मदद करता है। लेकिन तला हुआ और ऑयली चिकन खाने से स्वास्थ्य पर इतना प्रभाव नहीं पड़ेगा। दैनिक आहार में उबले हुए चिकन को शामिल करना हड्डियों की मजबूती को बढ़ावा देने का सबसे अच्छा तरीका है। सब्जियों के

साथ एक उबले हुए चिकन का एक हेल्दी बाउल तैयार करें और इसे नमक और काली मिर्च के साथ सीज़न करके खाएं। चिकन में ऊर्जा बढ़ाने वाले कई पोषक तत्व होते हैं। यह विटामिन बी6 और विटामिन बी12 का एक समृद्ध स्रोत है, जो सेल्स्स को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें आयरन और जिंक जैसे खनिज भी होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करते हैं। उबला हुआ चिकन वेट लूज डाइट में शामिल करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब चिकन को उबालते हैं, तो इससे सारे फैट और तेल निकल जाते हैं। ध्यान रखें कि आप चिकन को बिना छिलके के उबालें, क्योंकि अधिकांश फैट चिकन की त्वचा पर होती है। इतना ही नहीं, उबला हुआ चिकन खाने से आपके कैलोरी सेवन को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है क्योंकि उबले हुए चिकन से डिश बनाने के लिए कम या बिल्कुल भी तेल की आवश्यकता नहीं पड़ती है। कई लोग अपने शरीर में प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए चिकन की मदद लेते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उबला हुआ चिकन प्रोटीन का बढ़िया स्रोत है।

हाइपरटेंशन होने की सबसे बड़ी वजह

हाइपरटेंशन, स्ट्रोक, दिल और किडनी की बीमारी के साथ वक्त से पहले मौत का कारण भी बनता है। हालांकि, हम में से काफी कम लोग यह जानते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर को ही मेडिकल भाषा में हाइपरटेंशन कहा जाता है। इसका जोखिम तब बढ़ जाता है जब लोग खराब लाइफस्टाइल जीने लगते हैं, डाइट पर ध्यान नहीं देते, वर्कआउट नहीं करते, साथ ही परिवार में इसका इतिहास और तनाव भी इस बीमारी की मुख्य वजह बन जाता है। सीडीसी की मानें, तो नॉर्मल ब्लड प्रेशर 120/80 mmHg से कम होना चाहिए। अगर आपका ब्लड प्रेशर इससे ज्यादा या काफी कम हो जाता है, तो आप हाई या लो ब्लड प्रेशर के शिकार हो जाते हैं। आलस्य से भरी जीवनशैली और रूटीन में असंतुलन कई तरह की बीमारियों का कारण बनता है। आज की प्रतिस्पर्धा से भरी जिंदगी में सभी लोग उस ऊंचाई को हासिल करने के लिए दौड़ रहे हैं, जिसे पाना शायद नामुमकिन है। इसी जद्दोजहद में वे अपने शरीर के रेड फ्लैग्ज को भी नजरअंदाज कर बैठते हैं। अधिक स्मोकिंग, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधी की कमी, खराब डाइट (जंक फूड का सेवन और ताजा फल और सब्जियां न खाना), यह सभी चीजें खराब लाइफस्टाइल का हिस्सा हैं। दिनभर मोबाइल का इस्तेमाल और शारीरिक एक्टिविटी की कमी हाइपरटेंशन के बढ़ते मामलों का सबसे बड़ा कारण है। जो लोग हाई ब्लड प्रेशर से जूझते हैं, वे सिर दर्द, सांस फूलना और नाक से खून निकलना जैसे लक्षणों से जूझते हैं। हालांकि, यह सभी में नजर नहीं आते या तब तक नहीं दिखते जब तक व्यक्ति जानलेवा स्तर पर नहीं पहुंच जाता। इसकी दो तरह की स्टेज होती हैं।

पहली स्टेजः हाइपरटेंशन की पहली स्टेज वह होती है, जब जांच की रीडिंग 130 से 139के बीच होती है और नीचे की रीडिंग 80 से 90 होती है।

दूसरी स्टेजः हाइपरटेंशन तब होता है जब ऊपर की रीडिंग 14 से ऊपर होती है और नीचे की रीडिंग 90या उससे ज्यादा हो जाती है।

अगर इसका इलाज सही समय पर न शुरू किया जाए, तो इसकी वजह से कई गंभीर बीमारियों के साथ हार्ट अटैक की नौबत आ सकती है। ऐसा नहीं है कि चेकअप सिर्फ उन्हीं लोगों को करवाना चाहिए, जो किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, या जिनके परिवार में हाइपरटेंशन का इतिहास है। 18 साल की उम्र के बाद सभी को कम से कम दो साल में एक बार अपना ब्लड प्रेशर जरूर चेक करना चाहिए।

हाई ब्लड प्रेशर होने पर जरूरी नहीं कि लक्षण नजर आएं। इसका पता तभी चलता है जब ब्लड प्रेशर की जांच की जाए। इसलिए बीपी की जांच जरूर करवाएं ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके।

प्रेग्नेंसी स्ट्रेच मार्क्स की हो रही है चिंता?

गर्भावस्था के दौरान स्ट्रेच मार्क्स आना एक सामान्य प्रक्रिया है, जिससे दस में से नौ प्रेग्नेंट महिला गुजरती है। इस दौरान केवल पेट ही नहीं बल्कि स्तनों और कूल्हे के आसपास भी खिचाव के निशान नजर आते हैं। ये गुलाबी धारियां तब होती हैं, जब गर्भावस्था के दौरान कोलेजन और इलास्टिन (त्वचा को तना हुआ रखने वाले फाइबर) तेजी से वजन बढ़ने के दबाव के कारण खिंचने लगते हैं। इन स्ट्रेच मार्क्स को कम करने का सबसे अच्छा समय तब होता है, जब ये नए होते हैं। एक बार जब निशान सफेद हो जाते हैं, तो उनका इलाज करना बेहद मुश्किल होता है। हालांकि, अभी तक ऐसा कोई उपचार नहीं बना है, जिससे ये निशान पूरी तरह से गायब हो जाएं। लेकिन कुछ सावधानियों के साथ इन्हें कम जरूर किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं प्रेग्नेंसी स्ट्रेच मार्क्स से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें। एक बार प्रेग्नेंसी टेस्ट पॉजिटिव आ जाए, तो उन हिस्सों को मॉइश्चराइज करना शुरू कर दें, जहां स्ट्रेच मार्क्स के निशान होने की सबसे अधिक संभावना होती है, जैसे कि पेट, पीठ के निचले हिस्से, स्तन और कूल्हे। मॉइश्चराइजर त्वचा की इलास्टिसिटी को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे आपके शरीर का विस्तार शुरू होने पर निशान बनने की संभावना कम होती है। सुबह एक हाइड्रेटिंग क्रीम या लोशन का इस्तेमाल करें है। इसके लिए नारियल का तेल, शीया बटर और विटामिन

ई युक्त बादाम के तेल भी फायदेमंद हो सकते हैं।त्वचा को पोषण देने वाले तेल जैसे बायो-ऑयल की कुछ बूंदों को हॉट शावर के लिए पानी में मिलाएं ताकि शरीर का हर हिस्सा मॉइश्चराइज हो सके। डॉक्टर की सलाह के बाद अधिक जोर डाले बिना धीरे-धीरे और लगातार वजन बढ़ाने का लक्ष्य रखें।प्रेग्नेंसी स्ट्रेच मार्क्स जेनेटिक पर निर्भर करते हैं। अगर आपकी मां या नानी को इसके निशान विकसित हुए हैं, तो आप भी इसकी अधिक संभावना रखती हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने से लेकर वेट लॉस तक

यह महिलाओं में होने वाली एक गंभीर समस्या है, जिसका समय रहते इलाज न किया जाए तो वह जानलेवा तक साबित हो सकती है। कामकाज और जिम्मेदारियों की वजह से कई महिलाएं गंभीर बीमारियों का शिकार होती जा रही हैं। ओवेरियन कैंसर के बारे में बात करते हुए डॉक्टर रितु बताती है कि सभी महिलाओं को ओवेरियन कैंसर होने का खत़रा रहता है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम सब इस कैंसर के लक्षणों के प्रति जागरूक रहें। ओवेरियन कैंसर होता है, तो ये लक्षण बने रहते हैं। ट्यूमर बढ़ने पर लक्षण आमतौर पर ज्यादा गंभीर हो जाते हैं। हालांकि, ये लक्षण किसी भी वजह से हो सकते हैं। ऐसा जरूरी नहीं है कि ये ओवेरियन कैंसर के ही लक्षण हो। कई महिलाओं को कभी न कभी इनमें से कुछ लक्षण दिखते हैं। यह लक्षण कुछ समय में बाद गायब हो जाते हैं और कई बार साधारण से इलाज से ही ठीक हो जाते हैं। ऐसे में अगर आप ऊपर बताए गए लक्षणों को खुद को देख रहे हैं, तो डॉक्टर से संपर्क कर उचित इलाज कराएं।इस अवस्था मे कैंसर आमतौर पर अंडाशय के बाहर फैल चुका होता है। इस वजह से इसका सफल इलाज़ करना बहुत मुश्किल हो जाता है। हालांकि, अगर आप ओवेरियन कैंसर के लक्षणों के बारे में जागरूक रहेंगे तो डायग्नोसिस जल्दी हो सकता है.

जुगार माफियाओं और अवैध धंधों का गढ़ बना ठाणे शहर!

स्थानीय पुलिस स्टेशन से लेकर सहायक पुलिस आयुक्त, उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय तक शिकायत पत्र देने के बाद भी नहीं होती कार्यवाई ?

कन्हेरी व अंजूर में चल रहा दिन-रात जुगार !

स्थानीय पुलिस अधिकारीयों की जानकारी में दिन रात चलाये जा रहे जुगार क्लब!

जुगार माफियाओं के मनमानी से जनता त्रस्त

स्थानीय आमदार श्री रईस कासम शेख द्वारा जुगार के खिलाफ विधानसभा मे आवाज उठाने के बाद भी नही बंद हुवा जुगार ?

श्री. सी आर काकडे (व.पु.नि.) भिवंडी शहर पोलीस ठाणे

श्री. एम. एम. बल्लाल (व.पु.नि.) नारपोली पोलीस ठाणे

भिवंडी ठाणे। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के भिवंडी शहर में अवैध रूप से चल रहे जुगार के धंधों पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे ठाणे पुलिस आयुक्त.? ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा ठाणे के भिवंडी शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा भिवंडी सिटी पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में धामनकर नाका कन्हेरी के पास पारसिक बैंक एवं डाक्टर अनुष्खा शर्मा आँख क्लीनिक के सामने जिम के निचे शाहीद आरफ द्वारा स्थानीय पुलिस अधिकारीयों की जानकारी में दिन-रात जुगार का धंधा चलाया जा रहा है. वहीं दूसरा जुगार नारपोली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में ओल्ड मुंबई आगरा रोड पर अँजुर स्थिति कांचवाली बिल्डिंग हरिधरा शोपिंग कम्प्लेक्स में सिंधुदुर्ग बार के ऊपर पांडुरंग म्हात्रे का जुगार क्लब दिन-रात चलाया जा रहा है। उक्त जुगार क्लब में प्लास्टिक क्वाइन के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ हेराफेरी भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के भिवंडी शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा भिवंडी सिटी पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में धामनकर नाका कन्हेरी के पास पारसिक बैंक एवं डाक्टर अनुष्खा शर्मा आँख क्लीनिक के सामने जिम के निचे शाहीद आरफ द्वारा स्थानीय पुलिस अधिकारीयों की जानकारी में दिन-रात जुगार का धंधा चलाया जा रहा है. वहीं दूसरा जुगार नारपोली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में ओल्ड मुंबई आगरा रोड पर अँजुर स्थिति कांचवाली बिल्डिंग हरिधरा शोपिंग कम्प्लेक्स में सिंधुदुर्ग बार के ऊपर पांडुरंग म्हात्रे का जुगार क्लब दिन-रात चलाया जा रहा है। उक्त जुगार क्लब में प्लास्टिक क्वाइन के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ हेराफेरी भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

पुलिस की मिलीभगत से जुगार माफियाओं के हौसले बुलंद

वागले पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे दिन रात चल रहे जुगार क्लब ?

ठाणे, ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा वागले इस्टेट के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि वागले इस्टेट में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज प्रकाशित के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के निचे बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं सहयोगियों द्वारा मनोरंजन के नाम से जुगार चलाया जा रहा है, **पहला :** तीन हाथ नाका पर कृष्ण विलास होटल के सामने सुलभ शौचालय के बाजू की गली इंटर नेटी माल के पास कच्ची चिट्ठी के साथ दर्जन-भर राइटरो के माध्यम से मटका जुगार, **दूसरा :** ESIC रोड पर रामचंद्र नगर में हैदराबाद बब्रियानी के अंदर ऊपर महलिये पर, **तीसरा :** चाय वाले एवं राजश्री लाटरी के बीच के गाले में, **चौथा :** अम्बिका नगर बिट क्रमांक 01 के पीछे रोड पर वाचनालय के सामने गुरु इंजीनियरिंग वर्क के पास जोकियो के माध्यम से मनोरंजन की आड़ में 03 पत्ता, 21 पत्ता, 27 पत्ता के जुगार क्लब खुलेआम दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी उक्त जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन, पुलिस उपायुक्त परिमंडल 05 एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है.? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

मुंबई पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर बीकेसी में चलता है मटका जुगार?

विश्राम पी. अभ्यंकर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक (बीकेसी)

बांद्रा पूर्व, ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि मटका और जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मटका जुगार एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद पुलिस परिमंडल 08 के BKC पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मटका जुगार का धंधा गरीब बस्तियों में बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया शाहिद एवं उसकी टीम द्वारा जुगार का धंधा बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा है। यह जुगार का व्यवसाय भारत नगर स्थिति AIMIM कार्यालय के सामने SRA बिल्डिंग के पास अलग अलग परिसर में मटका जुगार का धंधा 20 से 25 राइटरों के माध्यम से चलाया जाता है। इस जुगार के माध्यम से गरीब एवं दिहाड़ी मजदूरों के साथ धक्का मुक्की भी किया जाता है। जुगार माफिया एवं हिस्ट्रीशीटर शाहिद द्वारा खुलेआम चेलेंज देकर कहता है कि स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारियों से हमारे संबंध अच्छे हैं। वही स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज़ कार्यालय द्वारा EMAIL से स्थानीय BKC पुलिस स्टेशन, पुलिस उपायुक्त परिमंडल 08, संबंधित सभी अधिकारियों के साथ पुलिस आयुक्त कार्यालय एवं मुख्यमंत्री कार्यालय में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्रवाई करती है..? या गरीब एवं दिहाड़ी मजदूरों को जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है...